

श्रीलंका पर भारत की रिकॉर्ड जीत, 124 रन से हराकर फाइनल में पहुंचा



दिल्ली। भारत ने एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में श्रीलंका को 124 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली। यह टी-20 क्रिकेट में श्रीलंका के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत है। इस जीत के साथ भारत ने एक और खास रिकॉर्ड अपने नाम किया। भारतीय टीम टी-20 में 100 या उससे ज्यादा रन के अंतर से 11वीं बार जीत दर्ज करने वाली पहली टीम बन गई है। मैच में ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 80 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी के साथ ही उन्होंने मनीष पांडे का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। मुकाबले के दौरान भारतीय पारी के पांचवें ओवर की दूसरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी के हेलमेट पर गेंद लग गई। श्रीलंका के थारिंदु रत्नायके गेंदबाजी कर रहे थे। उन्होंने लेग स्पंद की ओर फुलर गेंद डाली। वैभव ने गेंद को हवा में खेलने की कोशिश की, लेकिन शॉट नहीं लगा और गेंद सीधे उनके हेलमेट से जा टकराई। गेंद लगते ही भारतीय टीम का फिजियो तुरंत मैदान पर पहुंचा और वैभव की जांच की।

भारत की रोमांचक जीत, पाकिस्तान को 4-3 से हराकर फाइनल में पहुंचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। भारत ने बेहद रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 4-3 से हराकर एशियन गेम्स पुरुष हॉकी के फाइनल में जगह बना ली। मुकाबले के आखिरी मिनिट में अभिषेक ने निर्णायक गोल दागकर भारत को शानदार जीत दिलाई। इस गोल के साथ ही भारतीय टीम ने फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।अब गोल्ड मेडल के लिए भारत का सामना 3 अक्टूबर को मलेशिया से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में मलेशिया ने दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। ऐसे में अब भारत और मलेशिया के बीच स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला होगा।

जयनासोर से भी पुराने जीव की पहचान से लेकर 296 कुत्तों की पूल पार्ती तक, दुनिया में हुए ये अनोखे कारनामे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से ऐसी खबरें सामने आई हैं, जो अपने आप में बेहद अनोखी हैं। अमेरिका में दो छात्रों ने जयनासोर से भी पुराने जीव की पहचान की है। वहीं, ओडिशा में यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालान काटे गए। अमेरिका में 296 कुत्तों की पूल पार्टी ने विश्व रिकॉर्ड बनाया, जबकि चीन में कचरा बीनने वाली एक लड़की की किस्मत रातों-रात बदल गई और वह मॉडल बन गई। अमेरिका में दो छात्रों ने एक ऐसे जीव की पहचान की है, जो जयनासोर के अस्तित्व में आने से भी पहले धरती पर मौजूद था। छात्रों की इस पहचान ने प्राचीन जीव-जगत को लेकर दिलचस्पी बढ़ा दी है। ओडिशा में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। बिना हेलमेट कार चलाने और बिना सीट बेल्ट बाइक चलाने पर चालान काटे गए। नियमों को लेकर की गई इस कार्रवाई की चर्चा रही। अमेरिका में 296 कुत्तों ने एक साथ पूल पार्टी में हिस्सा लेकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। इतनी बड़ी संख्या में कुत्तों के एक साथ पूल पार्टी में शामिल होने का यह आयोजन खास आकर्षण का केंद्र रहा। चीन में कचरा बीनने वाली एक लड़की की किस्मत अचानक बदल गई।

दिवेआगर बीच पर पिकनिक के दौरान दर्दनाक हादसा, 8 छात्रों की डूबने से मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायगढ़। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में दिवेआगर बीच पर गुरुवार को पिकनिक के दौरान बड़ा हादसा हो गया। समुद्र में डूबने से 8 छात्रों की मौत हो गई। हादसे के बाद रेस्क्यू टीमों ने सभी छात्रों के शव बरामद कर लिए। मरने वाले सभी छात्र लड़के बताए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, पुणे से 48 लोगों का एक ग्रुप दिवेआगर घूमने आया था। ग्रुप में 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्र और शिक्षक शामिल थे। इनमें से कुछ छात्र समुद्र के पानी में उतर गए। पानी की गहराई और बहाव का अंदाजा नहीं लग पाने के कारण 8 छात्र डूब गए। बताया गया कि यह ग्रुप पुणे के आलंदी इलाके से दिवेआगर आया था। पुलिस के अनुसार, सभी छात्र 'विनर्स एकेडमी' से जुड़े थे। ग्रुप में 25 लड़के, 17 लड़कियां और 6 शिक्षक शामिल थे। समुद्र में छात्रों के डूबने की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीमों मौके पर पहुंची और तलाश अभियान शुरू किया गया।

खाकी की लाचारी या वसूली?

नवापुर में करोड़ों के जुए के अड़े पर SP और रेंज IG की मिलीभगत का पर्दाफाश

नवापुर बॉर्डर पोस्ट पर SP और रेंज IG की अनदेखी से लोगों में गुस्सा



अधिकारियों और रेंज IG पर सीधे सवाल उठ रहे हैं कि वे सिर्फ 'हसा वसूली' के चक्कर में लगे हुए हैं। जब 'पावको गुजरात' न्यूज के प्रतिनिधि ने इस मामले की सच्चाई जानने के लिए जिले के SP को फ़ोन किया, तो SP मैडम ने फ़ोन उठाने की ज़हमत तक नहीं उठाई। यह इस बात का साफ़ सबूत है कि प्रशासन और अपराधियों की मिलीभगत किस हद तक गंदगी में डूबी हुई है। चूंकि महीने की कमाई करोड़ों रुपये तक पहुंच रही है, इसलिए जुआरी खुलेआम इसे चुनौती दे रहे हैं।

शराबबंदी के बीच अवैध कारोबार पर उठे सवाल

भरोसेमंद सूत्रों के मुताबिक, 'पप्पू, रईस शेख और सूरज जायसवाल' की तिकड़ी नवापुर की इस बॉर्डर वाली ज़मीन पर करोड़ों रुपये का गैर-कानूनी जुए का साम्रा्य चला रही है। यहां गुजरात, नासिक और मध्य प्रदेश के मोस्ट वांटेड और बदनाम अपराधी बिना किसी झिझक के पनाह लेते हैं। इस पूरे सिंडिकेट के तार सीधे इंटरनेशनल क्रिमिनल दुनिया यानी 'डी-कंपनी' से जुड़े हैं। मेन ऑपरेटर रईस शेख रोज़ाना 2 लाख रुपये की सिक्चोरिटी फ़ीस डी-कंपनी तक पहुंचाता है, जिसकी वजह से इस अड़े पर शराब, ड्रग्स और प्रॉस्टिट्यूशन खुलेआम मिलता है और कोई परिदा भी इसे छू नहीं सकता।

जगह पर जाता है और 'खाली हाथ फॉर्मैलिटी' करके शादी की किरतें वसूल कर लौट जाता है! क्या SP और रेंज IG की नियत में कोई कमी है या वे इस बड़े भ्रष्टाचार में सीधे पार्टनर हैं? महाराष्ट्र के CM-होम मिनिस्टर को चुनौती: क्या इस 'गम्बर के अड़े' पर बुलडोजर चलेंगे? जब कानून के रखवाले ही ऊंचे लेवल पर किरत वसूली में बिजी हों, तो आम लोग किससे न्याय

बालाघाट में मृत आदिवासी बच्चों के परिवारों से मिले राहुल गांधी, बोले- आदिवासियों को उनका हक मिलना चाहिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बालाघाट। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के जगला गांव पहुंचकर बैगा आदिवासी परिवारों से मुलाकात की। वे बीमारी और कुपोषण से जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों से मिलने पहुंचे थे। राहुल गांधी ने करीब एक घंटे तक परिवारों के बीच रहकर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान आसपास के गांवों से करीब डेढ़ हजार लोग भी उनसे मिलने पहुंचे। मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा कि आदिवासी देश के पहले मालिक हैं और उन्हें उनका अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में आदिवासी समुदाय को उसका हक नहीं मिल रहा है। राहुल गांधी ने केंद्र और राज्य



सरकार पर प्रभावित लोगों को बेसहारा छोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि बीमारी से निपटने में राज्य सरकार पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे को लोकसभा में उठाएंगे। इससे पहले राहुल गांधी ने माटे प्राथमिक शासकीय स्कूल का दौरा किया और बच्चों से मध्यान्ह भोजन के बारे में जानकारी ली। बालाघाट के आदिवासी बहुल इलाकों में बच्चों की मौतों को लेकर पिछले कुछ समय

से स्वास्थ्य व्यवस्था और कुपोषण का मुद्दा चर्चा में है। प्रशासनिक आंकड़ों के मुताबिक पिछले तीन महीनों में कुपोषण, मलेरिया और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारणों से 32 बच्चों की मौत की बात सामने आई है। हालांकि कांग्रेस का दावा है कि वास्तविक संख्या इससे ज्यादा है।

बालाघाट में राहुल ने सुना आदिवासी परिवारों का दर्द

जगला गांव में राहुल गांधी ने बीमारी और कुपोषण से बच्चों को खोने वाले बैगा आदिवासी परिवारों से करीब एक घंटे तक मुलाकात की। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, रोज़गार, मनोरंज और वन अधिकार कानून से जुड़े मुद्दे उठाते हुए कहा कि आदिवासियों को उनका हक मिलना चाहिए। सरकारी रिकॉर्ड में 32 बच्चों की मौत का आंकड़ा सामने आया है, जबकि कांग्रेस इससे ज्यादा मौतों का दावा कर रही है।

अक्टूबर में बदल रहे हैं 7 बड़े नियम, सिलेंडर से लेकर यूपीआई और एटीएम तक होगा असर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अक्टूबर 2026 की शुरुआत के साथ आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों और खर्च से जुड़े कई बदलाव लागू हो रहे हैं। इनमें कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत, सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन, यूपीआई लेनदेन, हवाई ईंधन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, रेपो रेट और एसबीआई एटीएम से जुड़े नियम शामिल हैं। तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 70 रुपए तक की बढ़ोतरी की है। इसका असर रेस्टोरेंट, होटल और कैटरिंग कारोबार पर पड़ सकता है। कारोबारियों का खर्च बढ़ने पर चाय-नाश्ता और शादियों की कैटरिंग जैसी सेवाएं महंगी हो सकती हैं। 1 अक्टूबर 2026 से सब्सिडी वाले रेट पर एलपीजी सिलेंडर बुक करने के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन यानी बीएए/ई-केवाईसी पूरा करना ज़रूरी



होगा। जिन ग्राहकों का ई-केवाईसी पहले से पूरा है, उन्हें कोई अतिरिक्त प्रक्रिया नहीं करनी होगी। जिनका सत्यापन नहीं हुआ है, वे सब्सिडी वाले रेट पर सिलेंडर बुक नहीं कर पाएंगे। हालांकि, गैस की बुकिंग या सप्लाई पूरी तरह बंद नहीं होगी। ई-केवाईसी पूरा करने के बाद सब्सिडी वाले दाम का लाभ फिर मिल सकेगा। 15 अक्टूबर 2026 से 2,000 रुपए से अधिक के चुनिंदा मर्चेंट यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट लागू होगा। जिन दुकानदारों की महीनेभर में यूपीआई से कुल कमाई 1 लाख रुपए तक है, उनके लिए

सभी लेनदेन मुफ्त रहेंगे, भले ही भुगतान 2,000 रुपए से अधिक हो। लगातार तीन महीने तक 1 लाख रुपए से ज्यादा यूपीआई भुगतान लेने वाले छोटे व्यापारियों को बड़े व्यापारियों की श्रेणी में रखा जा सकता है। पत पैसे वाइसी ज़रूरी होगी।

अक्टूबर में जेब पर असर डालेंगे 7 बड़े बदलाव

अक्टूबर 2026 में गैस सिलेंडर, एलपीजी सिलिंडर, यूपीआई, हवाई ईंधन, इलेक्ट्रॉनिक्स, रेपो रेट और एसबीआई एटीएम से जुड़े नियमों में बदलाव हो रहे हैं। कॉमर्शियल सिलेंडर और एटीएम महंगे हों हैं, जबकि सब्सिडी वाले एलपीजी के लिए ई-केवाईसी ज़रूरी होगी। यूपीआई के चुनिंदा मर्चेंट लेनदेन, इलेक्ट्रॉनिक सामान की कीमत और दूसरे बैंक के एटीएम से मुफ्त निकाली की सीमा में भी बदलाव का असर पड़ेगा

कानपुर में बच्ची की निर्मम हत्या से दहला मोहल्ला छह साल से बच्चों के बीच बंद है आना-जाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। दिवाली के ठीक अगले दिन सुबह करीब 5 बजे मोहल्ले में कुछ महिलाएं टहल रही थीं। तभी उनकी नजर सड़क पर औंधे मुंह पड़ी 6-7 साल की एक बच्ची पर गई। बच्ची खून से लथपथ थी और उसके शरीर पर कपड़े नहीं थे। महिलाओं ने चीख-पुकार मचाई। उनमें से एक ने बच्ची को पहचानते हुए कहा कि यह प्रिया है, रमा की बेटी। बताया गया कि रात में उसकी मां उसे तलाश रही थी। कुछ ही देर में घटना की खबर पूरे इलाके में फैल गई और लोग मौके पर जुटने लगे। प्रिया की मां रमाबाई भी वहां पहुंचीं। वह बेटी को उठाने के

लिए आगे बढ़ीं, लेकिन महिलाओं ने उन्हें रोक दिया और पुलिस के आने का इंतजार करने को कहा। कुछ देर बाद पुलिस मौके पर पहुंची। बच्ची के शव की स्थिति देखकर वहां मौजूद लोग सहम गए। पुलिस के सामने बच्ची के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान मिले। उसके पेट पर धारदार हथियार से हमला किया गया था। शरीर के कई हिस्सों पर भीषण चोटें थीं। पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। शुरुआती परिस्थितियों के आधार पर बच्ची के साथ यौन हिंसा की आशंका भी जताई गई।इस घटना का असर परिवार और पूरे मोहल्ले पर लंबे समय तक रहा। बताया गया कि घटना के बाद से पिछले छह साल से

रमाबाई के दो बच्चों समेत मोहल्ले के बच्चे एक-दूसरे के घर जाना छोड़ चुके हैं। लोगों के बीच आपसी विश्वास को लेकर भी गहरा असर पड़ा। रमाबाई बताती हैं कि शादी के बाद वह इसी घर में रहने आई थीं। उनके पड़ोस में सुनीता और परम रहते थे। उनके कोई बच्चे नहीं थे। रमाबाई के मुताबिक, जब उनकी बड़ी बेटी हुई तो सुनीता अक्सर पूरे दिन उनके घर पर रहती थीं और बच्ची की देखभाल करती थीं। कुछ साल बाद रमाबाई की छोटी बेटी प्रिया का जन्म हुआ। उस समय भी पड़ोसियों और परिवार के बीच सामान्य मेलजोल था।

73 हजार शिक्षामित्रों को हाईकोर्ट से झटका, स्पेशल टीईटी में शामिल होने की याचिका खारिज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के करीब 73 हजार शिक्षामित्रों को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। गुरुवार को कोर्ट ने स्पेशल टीईटी-2026 में शामिल किए जाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। जस्टिस मंजू रानी चौहान ने कहा कि याचिकाकर्ता केवल इस आधार पर स्पेशल टीईटी में शामिल होने का अधिकार नहीं मांग सकते कि वे सामान्य टीईटी में बैठने के योग्य हैं। कोर्ट ने शिक्षामित्रों की कानूनी स्थिति को सरकारी शिक्षकों से अलग माना। यह याचिका पिछले साल सितंबर में वसीम अहमद समेत 220 शिक्षामित्रों ने दाखिल की थी। याचिकाकर्ताओं ने मांग की थी कि उन्हें भी स्पेशल टीईटी में शामिल होने का मौका दिया जाए। 24 सितंबर को सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। गुरुवार को फैसला सुनाते हुए याचिका खारिज कर दी गई। हाईकोर्ट ने कहा कि शासन की ओर से लिया गया फैसला सही है और संबंधित शासनादेश में कोई खामी नहीं है। कोर्ट के मुताबिक, आरटीई एक्ट में शिक्षक और गैर-शिक्षक के प्रावधान स्पष्ट हैं। टीईटी शिक्षकों के लिए है और कानूनी दृष्टि से शिक्षामित्र शिक्षक नहीं हैं। ऐसे में उन्हें शिक्षकों के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा में शामिल करने की मांग स्वीकार नहीं की जा सकती। प्रदेश में करीब 1.43 लाख शिक्षामित्र बताए गए हैं। इन्हें करीब 73 हजार ने अभी तक टीईटी पास नहीं किया है, जबकि करीब 70 हजार शिक्षामित्र यह परीक्षा पास कर चुके हैं। हाईकोर्ट के फैसले का सीधा असर उन शिक्षामित्रों पर पड़ेगा, जो स्पेशल टीईटी में शामिल होने की उम्मीद लगाए बैठे थे। फैसले के बाद यूपी प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष वसीम अहमद ने इसे दुःखद बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षामित्रों को फैसले से निराशा हुई है, लेकिन वे आगे की कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे। वसीम अहमद के मुताबिक, संगठन अब डबल बैच में अपील करेगा और उन्हें वहां से राहत मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि शिक्षामित्र करीब 26 वर्षों से सेवा दे रहे हैं और जब अन्य श्रेणियों के शिक्षकों व कर्मियों को परीक्षा में शामिल किया गया है, तो शिक्षामित्रों को इससे वंचित करना उचित नहीं है।



बिहार में बाढ़ का बढ़ता खतरा, 6 जिलों में 2.03 लाख लोग प्रभावित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। नेपाल में हो रही भारी बारिश के कारण गंडक, कोसी समेत कई नदियां उफान पर हैं और बिहार में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। राज्य के 6 जिलों में बाढ़ से करीब 2.03 लाख लोग प्रभावित बताए गए हैं। लगातार बढ़ते जलस्तर और कई इलाकों में पानी फैलने के बीच प्रशासन की ओर से राहत और बचाव अभियान तेज किया गया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर सारण जिले के पानापुर प्रखंड में प्रभावित लोगों तक ड्राई राशन पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर ने स्टेट हैंगर, पटना से उड़ान भरी। सारण जिला प्रशासन ने अतिरिक्त राशन पैकेट की मांग की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री के निर्देश पर गोखपुर से हेलीकॉप्टर मंगवाया गया और एयर ड्राफ्ट के जरिए राहत सामग्री पहुंचाने की तैयारी की गई। बाढ़ का खतरा बढ़ता देख मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वायु सेना से भी मदद मांगी है।



वाव-थराद जिले में गैर-कानूनी अबॉर्शन रोकने के लिए प्रशासन की कड़ी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाव-थराद। नए बने वाव-थराद जिले में गैर-कानूनी अबॉर्शन की गतिविधियों को रोकने और ऐसी गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए डिस्ट्रिक्ट लेवल पर कार्रवाई तेज कर दी गई है। इस संबंध में 30 सितंबर, 2026 को थराद के सरकारी अस्पताल में डिस्ट्रिक्ट लेवल कमेटी की मीटिंग हुई। मीटिंग चीफ डिस्ट्रिक्ट मेडिकल ऑफिसर डॉ. के. सी. माथुर की अध्यक्षता में हुई और चीफ डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर डॉ. जी.बी. गढ़वी समेत हेल्थ डिपार्टमेंट के अधिकारी मौजूद थे। मीटिंग में जिले में प्रेग्नेंसी टेस्टिंग सेंटरों की मान्यता के लिए मिले एप्लीकेशन और संबंधित जगहों के वेरिफिकेशन पर डिटेल में चर्चा हुई। मीटिंग के दौरान जमा किए गए दो एप्लीकेशन की स्टडी करने के बाद, कमेटी ने उन्हें एकमत से मंजूरी दे दी। मीटिंग में गैर-कानूनी अबॉर्शन जैसी गतिविधियों को कंट्रोल करने के लिए नियमों का पालन करने, जरूरी वेरिफिकेशन और कानूनी कार्रवाई पर भी जोर दिया गया।

औद्योगिक कचरा बेफाम डालने वाले माफियाओं के खिलाफ तंत्र की सक्षम चुप्पी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। एक बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आ रही है। गुजरात सरकार द्वारा लागू किए गए विवादित 'गुजरात रेंट एक्ट 2026' के खिलाफ राज्य भर के वकीलों में काफी गुस्सा और नाराजगी है। वडोदरा बार एसोसिएशन इस कानून के विरोध में मैदान में उतर आया है और सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए 1 अक्टूबर से 3 अक्टूबर, 2026 तक सभी तरह की कोर्ट की कार्रवाई से अलगा रहकर कड़ा विरोध दर्ज कराने का ऑफिशियल प्लान किया है। वडोदरा बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों और वकीलों ने मीडिया से आक्रामक अंदाज में बात करते हुए सीधे तौर पर इस कानून को 'काला कानून' कहा है। वकीलों की एसोसिएशन के मुताबिक, रेवेन्यू डिपार्टमेंट में पहले से ही बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और गड़बड़ियां चल रही हैं, वहीं इस नए रेंट एक्ट के लागू होने से भ्रष्टाचार और बढ़ेगा और आम लोगों और प्रॉपर्टी मालिकों का शोषण बढ़ेगा। वकीलों का साफ मानना है कि यह कानून जनता के हित में नहीं है, बल्कि जनविरोधी है। वकीलों की एसोसिएशन ने सरकार से मांग की है कि इस कानून को तुरंत वापस लिया जाए। ऑफिशियल रिप्रेजेंटेशन: इस गंभीर मामले में न सिर्फ जुबानी विरोध जताया गया है,

विकास के झूठे दावों की खुली पोल, मौत के कुएं जैसे रास्तों को लेकर जनता में भड़का भीषण आक्रोश!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में अपराधियों में कानून का कितना डर है और पुलिस इसके खिलाफ कितनी तैयार है, इसका एक और शानदार उदाहरण सामने आया है। शहर के व्यस्त और संवेदनशील वडाज इलाके में हाल ही में हुई सनसनीखेज लूट की घटना ने पूरी पुलिस फोर्स को हिलाकर रख दिया था। अपराधी पुलिस को खुली चुनौती देकर भाग निकले थे, लेकिन अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और LCB जोन-1 की टीम ने अपनी टेक्निकल जानकारी और मुखबिरो के नेटवर्क के आधार पर कुछ ही घंटों में इस लूट का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने पासा पलट दिया है और लूट को अंजाम देने वाले दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाल दिया है। घटना के तुरंत बाद, पुलिस कमिश्नर के आदेश पर LCB जोन-1 की टीम एक्शन मोड में आ गई। अपराधियों ने कितनी भी कोशिश की, लेकिन टेक्नोलॉजी और खाकी के आगे वे बेबस साबित हुए CCTV फुटेज का ध्यान से एनालिसिस: पुलिस ने घटनास्थल से लेकर आरोपियों के भागने के रास्ते तक सैकड़ों CCTV कैमरों की फुटेज को ध्यान से जांचा। ह्यूमन इंटेलिजेंस: टेक्निकल सर्विलांस और मुखबिरो से मिली सटीक जानकारी के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान कर ली। कLCB जोन-1 टीम ने तेजी से मूवमेंट करते हुए छिपे हुए दोनों बदमाशों! पकड़ लिया और लूट का माल जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी। इस सफल ऑपरेशन ने यह साबित कर दिया है कि अहमदाबाद शहर में लूट या चोरी जैसे अपराध करने वाले लोगों का अब बच निकलना नामुमकिन है। LCB जोन-1 के इस सराहनीय काम से नागरिकों ने राहत की सांस ली है और पुलिस की पीठ थपथपाई है।

मुख्यमंत्री के आने से पहले पोरबंदर पोर्ट पर विरोध का बड़ा धमाका हुआ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पोरबंदर। गुजरातके मुख्यमंत्री के आने से पहले ही पोरबंदर से एक बड़ी खबर सामने आई है जो सरकार और प्रशासन को जगा देगी। ऐतिहासिक और व्यस्त पोरबंदर पोर्ट अचानक विरोध की जगह बन गया है। स्थानीय लोगों, मछुआरों और व्यापारियों में भारी गुस्से के बीच, मुख्यमंत्री के स्वागत से पहले ही प्रशासन पर सवाल उठने लगे हैं। बारा के ड्रेजिंग के काम में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और घोटालों के गंभीर आरोपों के साथ, गुस्साए लोगों ने साफ तौर पर धमकी दी है, 'बारा की ड्रेजिंग में घोटाले बंद करो और पोर्ट पर जमा हुए रेत के बड़े टीलों को तुरंत हटाओ!' विरोध का मुख्य कारण: ड्रेजिंग घोटाला और रेत के टीले पोरबंदर पोर्ट से हर दिन सैकड़ों नावें मछली पकड़ने के लिए समुद्र में जाती हैं और लाखों रुपये का व्यापार होता है। लेकिन पिछले कुछ सालों से लोकल लोगों का आरोप है कि ड्रेजिंग ऑपरेशन में बहुत धांधली और करषण हुआ है **करण** के आरोप: ड्रेजिंग पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत ज़ोरों है। लोग गुस्सा जता रहे हैं कि सिर्फ कागजों पर काम दिखाकर सरकारी खजाना खाली किया जा रहा है। जब राज्य के मुख्यमंत्री पोरबंदर आने वाले होते हैं, तो एडमिनिसट्रेशन की तरफ से सारी तैयारियां पूरी कर ली जाती हैं। लेकिन आने से पहले ही पोरबंदर पोर्ट से उठे इस विरोध के बवंडर ने एडमिनिसट्रिटिव सिस्टम में हलचल मचा दी है। लोकल नेताओं और मछुआरों ने सरकार से जोरदार मांग की है कि अगर समय रहते इन रेत के टीलों को नहीं हटाया गया और घोटाले की जांच नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में एक जोरदार आंदोलन किया जाएगा। पूरा राज्य देख रहा है कि पोरबंदर पोर्ट पर इस विरोध की चिंगारी आने वाले दिनों में किस बड़े राजनीतिक और प्रशासनिक विस्फोट का कारण बनेगी! क्या ड्रेजिंग के नाम पर करोड़ों रुपये का घोटाला करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई होगी? क्या मुख्यमंत्री के आने से पहले स्थानीय लोगों का यह गुस्सा प्रशासन की आंखें खोलने में कामयाब होगा या मामला सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहेगा?

पोरबंदर पोर्ट पर रेत के टीलों ने बढ़ाई मछुआरों की मुश्किलें, हादसों का खतरा मुख्यमंत्री के आने से पहले पोरबंदर पोर्ट पर विरोध का बड़ा धमाका हुआ: ‘बारा की ड्रेजिंग में घोटाले बंद करो और रेत के टीलों को तुरंत हटाओ!’

पोरबंदर पोर्ट में रेत का जमाव बना मुसीबत, मछुआरों ने उठाई तत्काल सफाई की मांग

ड्रेजिंग के बाद भी नहीं सुधरे पोर्ट के हालात, समुद्र में उतरना मछुआरों के लिए बना चुनौती



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

पोरबंदर। गुजरात के मुख्यमंत्री के आने से पहले ही पोरबंदर से एक बड़ी खबर सामने आई है जो सरकार और प्रशासन को जगा देगी। ऐतिहासिक और व्यस्त पोरबंदर पोर्ट अचानक विरोध की जगह बन गया है। स्थानीय लोगों, मछुआरों और व्यापारियों में भारी गुस्से पर सवाल उठने लगे हैं। बारा के ड्रेजिंग के काम में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और घोटालों के गंभीर आरोपों के साथ, गुस्साए लोगों ने साफ तौर पर धमकी दी है, 'बारा की ड्रेजिंग में घोटाले बंद करो और पोर्ट पर जमा हुए रेत के बड़े टीलों को तुरंत हटाओ!' पोरबंदर पोर्ट से हर दिन सैकड़ों नावें मछली पकड़ने

के लिए समुद्र में जाती हैं और लाखों रुपये का व्यापार होता है। लेकिन पिछले कुछ सालों से लोकल लोगों का आरोप है कि ड्रेजिंग ऑपरेशन में बहुत धांधली और करषण हुआ है।

समुद्र में जाने का खतरा: बारा इलाके में गलत तरीके से ड्रेजिंग और रेत के अनियंत्रित जमाव के कारण बड़े-बड़े टीले बन गए हैं, जिससे मछुआरों की नावें चलते समय हादसों का शिकार हो रही हैं।

करण के आरोप: ड्रेजिंग पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत ज़ोरों है। लोग गुस्सा जता रहे हैं कि सिर्फ कागजों पर काम दिखाकर सरकारी खजाना खाली किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के आने पर हंगामा

जब राज्य के मुख्यमंत्री पोरबंदर आने वाले होते हैं, तो एडमिनिसट्रेशन की तरफ से सारी तैयारियां पूरी कर ली जाती हैं। लेकिन आने से पहले ही पोरबंदर पोर्ट से उठे इस विरोध के बवंडर ने एडमिनिसट्रिटिव सिस्टम में हलचल मचा दी है। लोकल नेताओं और मछुआरों ने सरकार से जोरदार मांग की है कि अगर समय रहते इन रेत के टीलों को नहीं हटाया गया और घोटाले की जांच नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में एक जोरदार आंदोलन किया जाएगा। क्या ड्रेजिंग के नाम

पर करोड़ों रुपये का घोटाला करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई होगी?

क्या मुख्यमंत्री के आने से पहले स्थानीय लोगों का यह गुस्सा प्रशासन की आंखें खोलने में कामयाब होगा या मामला सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहेगा? पूरा राज्य देख रहा है कि पोरबंदर पोर्ट पर इस विरोध की चिंगारी आने वाले दिनों में किस बड़े राजनीतिक और प्रशासनिक विस्फोट का कारण बनेगी!

शराबबंदी के बीच अवैध कारोबार पर उठे सवाल

भरोसेमंद सूत्रों के मुताबिक, ‘पप्पू, रईस शेख और सूरज जायसवाल’ की तिकड़ी नवापुर की इस बॉर्डर वाली ज़मीन पर करोड़ों रुपये का गैर-कानूनी जुए का साम्रा'य चला रही है। यहां गुजरात, नासिक और मध्य प्रदेश के मोस्ट वांटेड और बदनाम अपराधी बिना किसी झिझक के पनाह लेते हैं। इस पूरे सिंडिकेट के तार सीधे इंटरनेशनल क्रिमिनल दुनिया यानी ‘डी-कंपनी’ से जुड़े हैं। मेन ऑपरेटर रईस शेख रोज़ाना 2 लाख रुपये की सिवयोरिटी फीस डी-कंपनी तक पहुंचाता है, जिसकी वजह से इस अड्डे पर शराब, ड्रग्स और प्रॉस्टिट्यूशन खुलेआम मिलता है और कोई परिदा भी इसे छू नहीं सकता

अहमदाबाद के रामोल में हवस के प्यासे युवक का आतंक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली । मिली जानकारी के मुताबिक, रामोल इलाके में रहने वाली 16 साल की लड़की हर दिन की तरह अपने स्कूल जाने के लिए निकली थी। इसी बीच, सड़क पर पहले से बैठे समीर शेख नाम के 21 साल के युवक ने नाबालिग को रोका और उसका पीछा करना शुरू कर दिया। आरोपी समीर ने नाबालिग को सड़क पर घेर लिया और अपनी हरकतें जारी रखीं और जबर्दस्ती उससे अपना मोबाइल नंबर देने और उससे बात करने पर जोर दिया। नाबालिग इस रोमियो की हरकतों से डर गई, जो जानबूझकर उसकी बेटी को परेशान कर रहा था, लेकिन हिम्मत न हारते हुए वह घर पहुंची और अपने परिवार को पूरी घटना की जानकारी दी। आरोपी शदीशुदा है और डिलीवरी बाॅय है! जब इस मामले की पुलिस जांच हुई तो चौंकाने

वाली बातें सामने आईं गिरफ्तार आरोपी का नाम समीर शेख है, जो सिर्फ 21 साल का है। यह बिगड़ैल युवक शहर की एक प्रवाइटेर कंपनी में डिलीवरी बाॅय का काम करता है। पारिवारिक स्थिति: सबसे शर्मनाक बात यह है कि यह युवक पहले से शदीशुदा होने के बावजूद मामूम नाबालिगों की जिंदगी बर्बाद करने की गंदी कोशिश कर रहा था। परिवार वालों ने अपनी बेटी के साथ हुई इस गंदी हरकत

2008 अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केस: सुप्रीम कोर्ट ने मौत की सज़ा पाए दोषी को बड़ी राहत दी, मौत की सज़ा पर रोक लगाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। हिला देने वाले 2008 के बदनाम सीरियल ब्लास्ट केस में सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ी खबर सामने आई है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने इस भयानक मामले में मौत की सज़ा पाए एक दोषी को बड़ी राहत दी है और उसकी मौत की सज़ा पर रोक लगा दी है कोर्ट ने यह अंतरिम आदेश अहमद बावा उर्फ अब्बू अबूबकर बरेलवी की याचिका पर सुनवाई करते हुए जारी किया है, जिसने गुजरात हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट बेंच का अहम आदेश मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, सुप्रीम कोर्ट के सीनियर जजों की बेंच ने मामले की सुनवाई की: **बेंच के जजों:** जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, एक स्पेशल बेंच ने मामले की सुनवाई की। **गुजरात सरकार को नोटिस:** कोर्ट ने दोषी बरेलवी की याचिका को स्वीकार करते हुए राज्य सरकार को एक ऑफिशियल नोटिस जारी किया है और मौत की सज़ा पर भी रोक

वडोदरा के गोरवा इलाके में एक युवक पर चप्पू से जानलेवा हमला, 26 घंटे में ही गिरफ्तार हुआ कुख्यात हाफ-मर्डर का आरोपी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने कानून-व्यवस्था की चिंता बढ़ा दी है। शहर के संवेदनशील गोरवा इलाके में नाश्ते जैसी मामूली बात पर दोस्ती की पीठ में छुा घोंपा गया है। दो दोस्तों के बीच मामूली कबलसूनी के बाद गुस्साए दोस्त ने अपने ही भाई के पेट में चप्पू से वार कर उसे लहलुहान कर दिया और मौके से फरार हो गया। इस गंभीर जुर्म की गंभीरता को समझते हुए वडोदरा शहर की गोरवा पुलिस तुरंत एक्शन मोड में आ गई और कुछ ही घंटों में इस हाफ-मर्डर के आरोपी को पकड़ लिया। मिली जानकारी के मुताबिक, गोरवा इलाके में नाश्ते को लेकर साथ बैठे दोस्तों के बीच अचानक झगड़ा शुरू हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि मामूली लड़ाई ने खूनी मोड़ ले लिया। आरोपी ने गुस्से में चाकू निकाला और अपने दोस्त के पेट में जानलेवा वार कर दिया। युवक खून से लथपथ पड़ा था और उसके पेट में गंभीर और जानलेवा चोटें थीं और आरोपी उसे धमकी देकर मौके से भाग गया। घायल युवक को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसकी हालत बहुत नाजुक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही, वडोदरा सिटी पुलिस कमिश्नर के आदेश पर गोरवा पुलिस स्टेशन का स्टाफ तुरंत हरकत में आ गया। टेक्निकल सर्विलांस, ह्यूमन इंटेलिजेंस और मुखबिरो के नेटवर्क की मदद से पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपी को ढूंढकर गिरफ्तार कर लिया। नाम: मुकेशभाई उर्फ मुखी चिमनभाई दंतानी (देवी पूजक) गोरवा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या की कोशिश (हाफ मर्डर) समेत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है और आगे की कड़ी कानूनी पृछताछ कर रही है। ज्वलंत



लागा दी है। बरेलवी के वकील की मुख्य दलीलें और बचावसुनवाई के दौरान, दोषी अहमद बावा उर्फ अब्बू अबूबकर बरेलवी की तरफ से पेश वकील ने कोर्ट में मजबूत दलीलें पेश कीं। वकील ने कहा कि निचली अदालत और हाई कोर्ट का बरेलवी को दोषी ठहराने और मौत की सज़ा देने का फ़ैसला पूरी तरह से 'साजिश और साजिश' के बेबुनियाद आरोपों पर आधारित है। खास बात यह है कि अहमद बावा बरेलवी उन 38 दोषियों में से एक हैं जिन्हें 2008 के अहमदाबाद सीरियल बम ब्लास्ट केस में निचली अदालत ने मौत की सज़ा सुनाई थी और बाद में गुजरात हाई कोर्ट ने भी इस सज़ा को बरकरार रखा था। 2008



सवाल और चेतावनी क्या आज की युवा पीढ़ी में दोस्ती जैसे पवित्र रिश्ते भी छोटी-छोटी बातों पर खूनी हो गए हैं? छोटी-छोटी बातों पर चप्पू या जानलेवा हथियार निकालने की यह सोच कहां रकेगी?

गवर्नर आचार्य देवव्रत ने गांधीनगर लोक भवन में पद और वफ़ादारी की शपथ दिलाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। सुब्रमण्यम आर. अय्यर ने आज (1 अक्टूबर) गांधीनगर लोक भवन में गुजरात के चीफ इन्फ़ॉर्मेशन कमिश्नर के तौर पर शपथ ली। गवर्नर आचार्य देवव्रत ने उन्हें पद और वफ़ादारी की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में चीफ सेक्रेटरी मनोज कुमार दास, प्रिंसिपल सेक्रेटरी हरित शुक्ला, गवर्नर के सेक्रेटरी मेहुल के. दवे समेत सीनियर अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद थे। सुब्रमण्यम आर. अय्यर पहले गुजरात राज्य के इन्फ़ॉर्मेशन कमिश्नर के तौर पर काम कर चुके हैं। अब उन्हें राज्य के चीफ इन्फ़ॉर्मेशन कमिश्नर की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। अय्यर ने अलग-अलग फील्ड में भी अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। वे गुजरात सबऑर्डिनेट सर्विसेज सिलेक्शन बोर्ड के मेंबर, इंडियन रेलवेज की नेशनल रेलवे यूजर्स कंसल्टेटिव काउंसिल के मेंबर, वेस्टर्न रेलवेज की जोनल रेलवे यूजर्स कंसल्टेटिव कमेटी के मेंबर और गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के डायरेक्टर रह चुके हैं।

वीरमगाम में खाकी को बड़ी कामयाबी: शराब के जुर्म में 3 महीने से फरार आरोपी किशन माली पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद रूरल इलाके में अपराधियों पर पुलिस की पकड़ कितनी मजबूत है, इसका एक और बड़ा उदाहरण वीरमगाम से सामने आया है। वीरमगाम टाउन पुलिस स्टेशन की टीम ने आखिरकार उस वॉन्टेड आरोपी को पकड़ लिया है जो शराबबंदी के एक गंभीर जुर्म में पिछले तीन महीने से फरार था। पुलिस की इस तेज और सटीक कार्रवाई से शराब तस्करों और असामाजिक तत्वों में काफ़ी रोष फैल गया है। राज्य में और खासकर अहमदाबाद रूरल इलाके में गैर-कानूनी शराब की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए बड़े अधिकारियों ने सख्त निर्देश दिए थे। फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए अहमदाबाद डिवीजन के पुलिस महानिरीक्षक श्री राघवेंद्र वत्स और जिला पुलिस प्रमुख श्री ओम प्रकाश जाट के मार्गदर्शन में एक खास अभियान चलाया जा रहा है। इस झड़व के तहत, वीरमगाम डिवीजन के असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस श्री मानसी मीणा और वीरमगाम टाउन पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर श्री एस.ए. गढ़वी के सीधे गाइडेंस में एक स्पेशल टीम बनाई गई थी। पुलिस टीम ने इंटेलिजेंस और टेक्निकल सोर्स पर काम करते हुए, लगभग तीन महीने की लंबी मशकत के बाद वीरमगाम टाउन पुलिस स्टेशन के क्राइम रजिस्टर नंबर 11192061260333/2026 (प्रॉहिबिशन एक्ट सेक्शन-65, 11, 81) में शामिल मुख्य आरोपी किशन मोहनभाई माली को आखिरकार पकड़ने में कामयाबी हासिल कर ली है। झ जानकारी के आधार पर, पुलिस टीम ने आरोपी के घर पर रेड की और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे मौके पर ही हिरासत में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।



चेतावनी शदीशुदा होने के बावजूद, क्या स्कूली लड़कियों को टारगेट करके ऐसे असामाजिक तत्वों को कानून का डर नहीं है?



प्रभुरत्न प्रतियोगिता 2026 का भव्य उद्घाटन समारोह सम्पन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

'आबूरोड।' ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा आयोजित 'प्रभुरत्न प्रतियोगिता 2026' का भव्य उद्घाटन समारोह मनमोहिनी कॉम्प्लेक्स स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में आध्यात्मिक ऊर्जा एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। पूर्वा घंटे की गहन योग साधना करने वाले साधकों, विभिन्न श्रेणियों के प्रतिभागियों एवं विजेताओं तथा मुख्य शिक्षिका बहनों की विशेष उपस्थिति ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक उमंग से भर दिया। इस समारोह में ब्रह्माकुमारीज संस्थान के महासचिव बीके करुणा भाई, अतिरिक्त महासचिव बीके मृत्युंजय भाई तथा शांतिवन की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके डॉ. सविता दीदी की गरिमाययी उपस्थिति रही। तीनों ने प्रतिभागियों को योग साधना को जीवन में उतारने, अपनी विशेषताओं को पहचानने तथा उन्हें मानव सेवा में लगाने के लिए प्रेरित किया। अपने वक्तव्य में महासचिव बीके करुणा भाई ने प्रतिभागियों को '''मन जीत, जगत जीत''' बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि योग साधना से मन में शांति के साथ-साथ चेहरे पर "दिव्य मुस्कान" भी दिखाई देनी चाहिए, जिससे जीवन में बाबा की प्रत्यक्षता अनुभव हो सके। उन्होंने प्रतिभागियों को आंतरिक विजय के साथ अपने जीवन को दिव्य गुणों से सम्पन्न बनाने की प्रेरणा दी। इस दौरान अतिरिक्त महासचिव बीके मृत्युंजय भाई ने प्रतिभागियों के सम्पर्ण और पुरुषार्थ की सराहना करते हुए योग साधना, आत्मिक जागृति एवं सेवाभाव को जीवन का आधार बनाने की बात कही। उन्होंने प्रतिभागियों को अपनी साधना को निरंतर गहरा करने तथा आध्यात्मिक पुरुषार्थ में आगे बढ़ने का संदेश दिया। वहीं 'शांतिवन की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके डॉ. सविता दीदी' ने प्रतिभागियों को अपनी विशेषताओं को पहचानने और उनका उपयोग सेवा में करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आत्मा में कोई न कोई विशेषता अवश्य है और उन विशेषताओं को पहचानकर श्रेष्ठ कार्य में लगाना ही सर्वगुण सम्पन्न बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने भविष्य में प्रभुरत्न प्रतियोगिता को और व्यापक स्वरूप देने की बात भी कही। समारोह में 'ब्रह्माकुमारीज संस्थान की प्रमुख राजयोगिनी मोहिनी दीदी ने वीडियो संदेश के माध्यम से सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रभुरत्न प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के पुरुषार्थ, योग साधना एवं प्रतिभा की सराहना करते हुए सभी को निरंतर आध्यात्मिक प्रगति की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रभुरत्न प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभागियों की 'योग साधना, रचनात्मकता, सेवाभाव एवं विशेष प्रतिभाओं को पहचानना, प्रोत्साहित करना और सम्मानित करना' है। प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी आंतरिक एवं बाहरी प्रतिभाओं को निखारने के साथ-साथ उन्हें सेवा के श्रेष्ठ कार्यों में लगाने का अवसर मिला रहा है। आयोजन के अंतर्गत एकरस योग साधना के साथ विभिन्न आध्यात्मिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन्में छोटे बच्चों की विशेष प्रस्तुतियाँ, विभिन्न विषयों पर क्लासेस तथा प्रभुरत्न की प्रतिभा एवं उपलब्धियों को सराहने वाले कार्यक्रम प्रमुख हैं। आयोजन का विशेष आकर्षण 3 अक्टूबर को होने वाला सम्मान एवं अवॉर्ड समारोह रहेगा, जिसमें योग रत्नों सहित विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा।

कचरा बीनते समय लाइट के तार की चपेट में आई महिला, करंट लगने से मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। पाली में गुरुवार को कचरा बीनते समय लाइट के तार की चपेट में आने से 39 वर्षीय महिला की करंट लगने से मौत हो गई। जोरदार बिजली का झटका लगने के बाद महिला को इलाज के लिए बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद मृतका के परिजन आए परिचित अस्पताल पहुंचे। महिला पांच बच्चों की मां थी और उसके पति की पहले ही मौत हो चुकी है। सदर थाने के एसएचओ कपूरराम ने बताया कि पाली शहर के ट्रांसपोर्ट नगर थाना क्षेत्र की नया गांव सांसी बस्ती निवासी पप्पड़ी पत्नी सुरेश कुमार (39) गुरुवार को हाईवे पर छोटा रूपांचा के पास कचरा बीन रही थी। इसी दौरान वह लाइट के तार के संपर्क में आ गई। तार छूते ही उसे जोरदार करंट लगा और वह गंभीर रूप से झुलस गई। हादसे के बाद महिला को इलाज के लिए बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन और परिचित भी अस्पताल पहुंच गए। पप्पड़ी देवी के पांच बच्चे हैं। उनके पति सुरेश कुमार की पहले ही मौत हो चुकी है। अब हादसे में मां की मौत के बाद पांचों बच्चों के सिर से मां का भी साया उठ गया। परिवार पर एक साथ आई इस दोहरी त्रासदी से माहौल गमगीन हो गया। मां की मौत की खबर सुनकर बच्चे भी अस्पताल पहुंचे। उन्हें जब अपनी मां के नहीं रहने की जानकारी मिली तो वे वहीं रीने लगे। बच्चों के साथ आए परिजन और परिचित उन्हें संभालते रहे। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है।

रेलवे कॉलोनी के बाल उद्यान में मेगा श्रमदान, सामूहिक प्रयास से बदली तस्वीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबू रोड। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान-2026' के तहत आबू रोड रेलवे कॉलोनी स्थित बाल उद्यान में मेगा श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान में रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सफाईकर्मियों, रूनिवन प्रतिनिधियों तथा आबू रोड उच्च माध्यमिक स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने मिलकर उद्यान की सफाई कर उसे स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने में योगदान दिया। सामूहिक प्रयास से उद्यान में लंबे समय से जमा झाड़ियों, कूड़े और अनावश्यक पेड़-पौधों को हटाया गया। सफाई के बाद बाल उद्यान का परिसर पहले की तुलना में साफ और सुंदर नजर आने लगा। श्रमदान के दौरान कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने मिलकर परिसर के अलग-अलग हिस्सों की सफाई की तथा वहां जमा गंदगी और झाड़ियों को हटाया। अभियान में रेलवे के ऑपरेटिंग, बिजली, वाणिज्य और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से सफाई की जिम्मेदारी संभाली। कर्मचारियों ने परिसर में जमा कचरे और झाड़ियों को हटाने के साथ अनावश्यक पेड़-पौधों की भी सफाई की। अभियान में विद्यार्थियों की भागीदारी ने इसे सामुदायिक रूप दिया। रेलवे कर्मचारियों के साथ स्कूल विद्यार्थियों ने भी श्रमदान में बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। सामूहिक श्रमदान के जरिए स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने में सभी की भागीदारी पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान बाल उद्यान की सफाई के साथ परिसर को व्यवस्थित करने का काम भी किया गया। सामूहिक प्रयास से उद्यान में स्वच्छता और साफ-सफाई का बेहतर वातावरण नजर आया।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर घर-घर पहुंचकर माला एवं प्रशस्ति पत्र से किया सम्मान, मतदाता अधिकारों के प्रति किया जागरूक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। 1 अक्टूबर। जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर गुरुवार को पाली निर्वाचन क्षेत्र में निवासरत 100 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के शतायु मतदाताओं का सम्मान किया गया। निर्वाचन विभाग की ओर से शतायु मतदाताओं के घर पहुंचकर उन्हें माला पहनाई गई तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई। शतायु मतदाता लोकतंत्र की अमूल्य धरोहर -उपखंड अधिकारी पाली मिललेन्द्र सिंह राणावत ने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के निर्माण में शतायु मतदाताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने अपने जीवन के लंबे सफर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नजदीक से देखा और मतदान के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूत करने में भागीदारी निभाई है। ऐसे सभी शतायु मतदाता सम्मान के शत प्रतिशत पात्र हैं। उन्होंने शतायु मतदाताओं को



लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के साथ मतदाता के अधिकार एवं दायित्वों के प्रति भी जागरूक किया। माला पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मान -अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर पाली निर्वाचन क्षेत्र में निवासरत शतायु मतदाताओं का विभिन्न स्थानों पर घर-घर जाकर सम्मान किया गया। मानपुरा भाकरी में कन्या, लचकी एवं मूली का माला पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान किया गया। सम्मान मिलने पर शतायु मतदाता भावुक होकर



गदगद हो उठीं। उन्होंने अपने समय में होने वाले मतदान और उस दौरान की चुनावी गतिविधियों से जुड़े कई रोचक संस्मरण भी साझा किए। बृथ स्तर पर भी आयोजित हुए सम्मान कार्यक्रम -वृद्धजन दिवस के अवसर पर पाली विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों पर भी शतायु मतदाताओं का सम्मान किया गया। बृथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ), सुपरवाइजर, ग्राम पटवारी, स्थानीय शिक्षक, पंचायत सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य



कार्यकर्ताओं ने शतायु मतदाताओं तक पहुंचकर सम्मान किया। कई स्थानों पर अधिकारियों एवं कर्मिकों ने घर-घर जाकर माला एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी के लिए किया प्रेरित -सम्मान कार्यक्रम के दौरान शतायु मतदाताओं से संवाद कर उनके अनुभव जाने गए।

माउंट आबू में CRPF ने चलाया बड़ा स्वच्छता अभियान, नवकी डील से हटाया कचरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की आंतरिक सुरक्षा अकादमी की ओर से 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान के तहत माउंट आबू में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। पुलिस महानिरीक्षक सी. सुधाकर के नेतृत्व में आयोजित अभियान के दौरान नवकी डील, भारत माता मंदिर और स्वामी विवेकानंद पार्क के आसपास के क्षेत्रों में सफाई की गई। अभियान में सीआरपीएफ के अधिकारियों और जवानों के साथ प्रशासन, नगरपालिका, वन विभाग, स्कूलों, सामाजिक संस्थाओं और स्थानीय नागरिकों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। अभियान के दौरान सभी प्रतिभागियों ने मिलकर नवकी डील और उसके आसपास के क्षेत्रों से कचरा एकत्र किया। सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई के साथ लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य माउंट आबू के प्रमुख पर्यटन स्थलों को स्वच्छ रखने के साथ स्थानीय लोगों और पर्यटकों में स्वच्छता को लेकर जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम में CRPF के डीआईजी भरत भूषण सेठी और



कमांडेंट महेंद्र कुमार सहित कई अधिकारी और जवान मौजूद रहे। इसके अलावा माउंट आबू के उपखंड अधिकारी, नगरपालिका, वन विभाग के अधिकारी, डीएफओ, आदर्श विद्यालय के छात्र-शिक्षक, लार्यस क्लब, रोटरी क्लब और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी सफाई अभियान में हिस्सा लिया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। प्रतिभागियों ने लोगों से पर्यटन स्थलों और उनके आसपास कचरा नहीं फैलाने की अपील की। साथ ही साफ-सफाई को केवल अभियान तक सीमित नहीं रखने

और नियमित रूप से अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया गया। CRPF की ओर से बताया गया कि माउंट आबू में अगले एक महीने तक स्वच्छता और जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के जरिए स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों को भी स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। अभियान में प्रशासन, विभिन्न विभागों, सामाजिक संस्थाओं और स्थानीय नागरिकों की भागीदारी के जरिए स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है।

नवकी डील स्थित गांधी वाटिका से स्वच्छता अभियान का आगाज एक माह तक चलेगा विशेष स्वच्छता एवं जन-जागरूकता अभियान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान के अंतर्गत आंतरिक सुरक्षा अकादमी, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), माउंट आबू द्वारा विशेष स्वच्छता एवं जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ आज नवकी डील स्थित गांधी वाटिका से किया गया। अभियान का शुभारंभ श्री सी. सुधाकर, भारतीय पुलिस सेवा, पुलिस महानिरीक्षक एवं निदेशक, आंतरिक सुरक्षा अकादमी, सीआरपीएफ, माउंट आबू के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर अकादमी के पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री भरत भूषण सेठी एवं कमांडेंट श्री महेंद्र कुमार पी.एम.जी.एवं, उप कमांडेंट, सहकार्य कमांडेंट सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, जवान एवं महिला कर्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं कर्मिकों ने नवकी डील एवं गांधी वाटिका परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की तथा आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। उपस्थित कर्मिकों ने स्वच्छ एवं सुंदर माउंट आबू के निर्माण में सक्रिय सहभागिता



का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक एवं निदेशक श्री सी. सुधाकर ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि 'स्वच्छता ही सेवा' की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आंतरिक सुरक्षा अकादमी द्वारा माउंट आबू में व्यापक स्तर पर स्वच्छता एवं जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आगामी एक माह तक माउंट आबू के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता, श्रमदान, जन-जागरूकता तथा स्वच्छता संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। अकादमी के अधिकारी, जवान,



कर्मचारी एवं महिला कर्मिक इन गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेकर स्थानीय नागरिकों एवं पर्यटकों को भी स्वच्छता के प्रति प्रेरित करेंगे। पश्चिम भारत के प्रमुख पर्यटन स्थल एवं हिल स्टेशन माउंट आबू की प्राकृतिक सुंदरता एवं पर्यावरण को बनाए रखने के लिए स्वच्छता का विशेष महत्व है। अभियान का उद्देश्य माउंट आबू को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाए रखने के साथ-साथ आमजन में स्वच्छता के प्रति स्थायी जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

हिंदी पखवाड़ा 2026 के तहत स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता में आँगनवाड़ी केंद्र में बच्चों का उत्साह: भँवर चौहान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, आबूरोड में हिंदी पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत आइओसी अधिकारी श्री भँवर चौहान द्वारा आईएसआर उत्तरदायित्व के तहत स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि, रचनात्मकता, अभिव्यक्ति-कौशल और सामाजिक जागरूकता की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए हिंदी भाषा के महत्व, राष्ट्रप्रेम, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक संदेशों पर आधारित आकर्षक पोस्टर एवं प्रभावशाली स्लोगन प्रस्तुत किए। बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति और प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन करते हुए रंगों एवं शब्दों के माध्यम से समाज को प्रेरणादायक संदेश दिए। उनकी रचनात्मक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल द्वारा उत्कृष्ट प्रस्तुतियों का चयन किया गया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले



प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया गया। अन्य प्रतिभागियों का भी उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें आगे भी इसी प्रकार की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर श्री भँवर चौहान ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों को प्रेरित करने के लिए वे हमेशा इस तरह के आयोजन करते रहते हैं, ताकि उनमें नई ऊर्जा, जागरूकता, आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच का विकास हो। ऐसे कार्यक्रम बच्चों को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करते हैं। इन आयोजनों से बच्चे सामाजिक विषयों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ सीखने और आगे बढ़ने के लिए



उत्साहित भी होते हैं। स्लोगन प्रतियोगिता में बच्चों में कुमारी जलक, भूमिका, दिव्री और चार्ट प्रतियोगिता नवी से बारहवी में कुमारी दिव्यांशी, राधिका, मोनाक्षी , बी ए प्रतियोगिता में कुमारी जिंकी, सेफरीना, गायत्री आदि ने सफलता प्राप्त की और पारितोषिक प्राप्त किये। इस समारोह में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मेडम आशा सिंदल , मेडम रेखा बारोट, सहायिका सुशी दीपिका गर्ग, समाचार विभाग से श्री रितिक जी एवम अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। सामाजिक और नैतिक सोच को भी मजबूत करती हैं।

अहमदाबाद, (शुक्रवार) 2 अक्टूबर 2026

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग पाली के संयुक्त तत्वावधान में उप निदेशक भागीरथ के निर्देशनानुसार पीएम श्री पौठ मुकुंद चंद बालियां उच्च माध्यमिक विद्यालय में बालिकाओं में पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने, एनीमिया की रोकथाम एवं माहवारी स्वास्थ्य व स्वच्छता प्रबंधन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एनीमिया रोकथाम एवं पोषण विषय पर चर्चा की गई।



केंद्र प्रबंधन ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को अपने स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक बनाकर स्वस्थ एवं सशक्त जीवन के लिए प्रेरित करना है। बालिकाओं को माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रबंधन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। ममता दाधीच ने माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, पौष्टिक आहार लेने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने तथा माहवारी से जुड़ी भांतियों एवं झिझक को दूर करने के लिए बालिकाओं को जागरूक किया। उन्होंने बालिकाओं को एनीमिया के कारण, लक्षण एवं बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए आयरन युक्त एवं संतुलित आहार के सेवन के लिए प्रेरित किया। साथ ही बालिकाओं को हरी पत्तेदार सब्जियाँ, दालें, मौसमी फल, गुड़, चना आदि पौष्टिक खाद्य पदार्थों को दैनिक आहार में शामिल करने के महत्व के बारे में बताया गया। उड़ान योजना के संबंध में केंद्र प्रबंधक ने बताया कि उड़ान का मतलब और उड़ान सेंटर के अंतर्गत उड़ान में प्राप्त होने वाली पाँच सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। परामर्शदाता उर्मिला द्वारा बालिकाओं में एनीमिया रोकथाम एवं पोषण विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

जयपुर एयरपोर्ट पर साथ दिखे पलक तिवारी-इब्राहिम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। बॉलीवुड अभिनेत्री पलक तिवारी और अभिनेता इब्राहिम अली खान पटौदी गुरुवार को जयपुर एयरपोर्ट पर एक साथ नजर आए। दोनों को एयरपोर्ट पर साथ देखकर वहां मौजूद लोगों और पैराजारी की नजरें उन पर टिक गईं। जयपुर से दोनों सवाई मधोपुर स्थित रणथंभौर के लिए रवाना हुए। जानकारी के मुताबिक, पलक और इब्राहिम रणथंभौर में टाइगर सफारी का आनंद लेने पहुंचे हैं और उनका करीब दो दिन यहां रुकने का कार्यक्रम है। एयरपोर्ट पर इब्राहिम अपने निर-परिचित मजाकिया अंदाज में दिखाई दिए। उनके हाथ में कॉफी का गिलास था। पैराजारी और वहां मौजूद लोगों से बातचीत के दौरान उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा- 'आज मेरी कॉफी नहीं गिरेगी।' इब्राहिम का यह मजाक हाल ही में सामने आए उस वीडियो से जुड़ा था, जिसमें वे एक फैन के साथ सेल्फी लेते समय गलती से अपनी कॉफी कपड़ों पर गिरा बैठे थे। 30 सितंबर को वायरल हुए वीडियो में इब्राहिम सेल्फी लेते हुए अचानक नीचे देखते हैं और कपड़ों पर गिरी कॉफी के दाग को चेक करते नजर आते हैं। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर उनके रिएक्शन को लेकर लोगों ने कई तरह के कमेंट किए थे। जयपुर एयरपोर्ट पर इब्राहिम ने उसी घटना को याद करते हुए कॉफी को लेकर मजाक कर दिया। इसी बीच जयपुर एयरपोर्ट पर अभिनेता, मॉडल और फिटनेस आइकन मिलिंद सोमन भी नजर आए।



भेटाला सहकारी समिति में केसीसी राशि हड़पने का आरोप, किसानों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। जिले की ग्राम सेवा सहकारी समिति भेटाला में ग्रामीणों और किसानों ने समिति के व्यवस्थापक डूंगरसिंह और सेल्समैन ओबोराम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि किसानों द्वारा केसीसी ऋण की राशि समिति में जमा कराने के बावजूद उसे बैंक में जमा नहीं कराया गया। इसके अलावा समिति के संचालन में भी कई अनियमितताएं होने की शिकायत की गई है। मामले को लेकर ग्रामीणों ने गुरुवार को जालोर जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गवांडे को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। ठु ग्रामीणों का कहना है कि किसानों ने अपने केसीसी ऋण की राशि समिति के व्यवस्थापक और सेल्समैन के पास विधिवत जमा करवा दी थी। आरोप है कि यह राशि बैंक में जमा नहीं कराई गई। बैंक में रकम जमा नहीं होने के कारण किसानों पर ब्याज का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने शिकायत में समिति के संचालन को लेकर कई अन्य गंभीर समस्याएं भी सामने रखी हैं। उनका कहना है कि पिछले करीब 4 महीनों से समिति के माध्यम से मिलने वाले गेहूं का वितरण पूरी तरह बंद है। समिति पर ताला लगा हुआ है, जिसके कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि समिति के व्यवस्थापक डूंगरसिंह पिछले एक साल से भी अधिक समय से भेटाला समिति पर नहीं आए हैं।



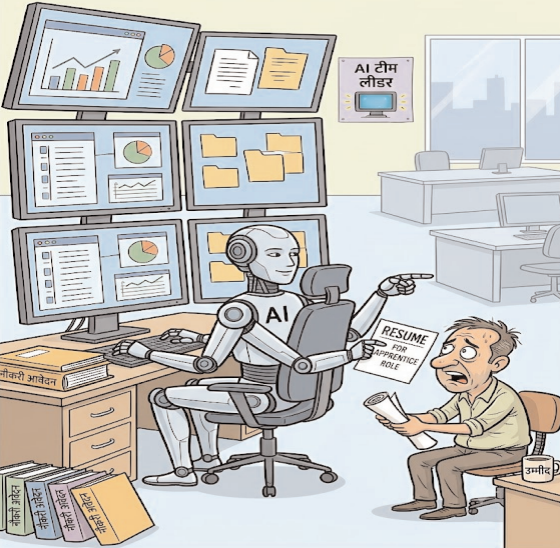
पॉलिटिक्स का खेल साफ़ है

अंबानी की ‘यू-टर्न’ पॉलिसी और 2029 में मोदी सरकार का जाना

इंडियन पॉलिटिक्स में इस समय बड़ा भूचाल आ रहा है। जो मुद्दे पहले सिर्फ़ हاشिये पर चर्चा में रहते थे, वे अब खुलकर सामने आ रहे हैं। राहुल गांधी का यह कहना कि ‘मोदी सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी और अब स्टेज तैयार हो रहा है,’ अब सिर्फ़ एक पॉलिटिकल मजाक नहीं बल्कि ज़मीनी हकीकत की ओर इशारा कर रहा है। देश के पॉलिटिकल इक्वेशन इस समय ऐसे ड्रामैटिक मोड़ ले रहे हैं जो आने वाले समय में सत्ता के सिंहासन को हिलाने के लिए काफ़ी हैं। अंबानी और कांग्रेस के बीच बदलते रिश्ते: एक नया पॉलिटिकल इक्वेशन गर कोई है, तो इस पूरे पॉलिटिकल गेम में सबसे बड़ा टिविस्ट इंडिस्ट्रियलिस्ट मुकेश अंबानी और अपोज़िशन लीडर्स के बीच बदलते इक्वेशन हैं। कुछ समय पहले राहुल ने ‘वोट चोरी’ के मुद्दे पर एक स्टेट कॉन्फ्रेंस की थी, जिसमें देश को बर्बाद करने वालों की लिस्ट से मुकेश अंबानी का फ़ोटो अचानक गायब होना कोई आम इत्तेफ़ाक नहीं था। इसके जवाब में तुरंत बड़े बदलाव देखे गए: मीडिया कवरेज में बदलाव: पहली बार, अंबानी के चैनलों ने राहुल गांधी की बातों और प्रेस कॉन्फ्रेंस को पूरी और पॉजिटिव कवरेज दी है, जो पहले सोचा भी नहीं जा सकता था। समाजवादी पार्टी का मास्टरस्ट्रोक: कल ही, अंबानी के बहुत करीबी माने जाने वाले परिमल नाथवानी को समाजवादी पार्टी ने राज्यसभा के लिए नॉमिनेट किया, जो पद के पीछे एक बड़ी पॉलिटिकल डील की ओर इशारा करता है। कांग्रेस का नरम रुख: कर्नाटक में कांग्रेस सरकार भी अब अंबानी गुप के खिलाफ बहुत नरम रुख अपना रही है, और कांग्रेस के नेशनल स्पोकसपर्सन भी इन दिनों अंबानी के खिलाफ एग्रेसिव बयान देने से बच रहे हैं। अंबानी की नाराजगी और मोदी-अडानी गुप: अंदर क्या पक रहा है? इन सभी डेवलपमेंट का मतलब साफ और स्पष्ट है। 2012 में BJP और नरेंद्र मोदी सरकार को सपोर्ट करने वाले इंडस्ट्रियल घरानों में मुकेश अंबानी सबसे आगे थे। लेकिन पिछले कुछ सालों में अंबानी गुप बहुत परेशान लग रहा है क्योंकि देश के ज्यादातर रिसोर्स और कॉन्ट्रैक्ट अडानी गुप को मोनोपॉली की तरह दिए जा रहे हैं। मुकेश अंबानी ज़मीन पर जनता के गुस्से और बदलती हवाओं के रुख को समझ चुके हैं। वह अच्छी तरह जानते हैं कि मौजूदा शासकों के खिलाफ जनता का गुस्सा अब अपने चरम पर पहुंच रहा है, और इसीलिए वह समय को समझते हुए अपने राजनीतिक पहलू बदल रहे हैं। भविष्य की बड़ी भविष्यवाणी: 2027 और 2029 की एक तस्वीर अगर इन बदलते समीकरणों और अंदर ही अंदर पक रही राजनीति का एनालिसिस किया जाए, तो आने वाले समय के लिए दीवार पर लिखी इबाarat साफ है। 1. साल 2027 - P से योगी की विदाई: उत्तर प्रदेश के राजनीतिक समीकरण और अंदरूनी व्यवस्थाएँ आने वाले 2027 के विधानसभा चुनावों में BJP के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकती हैं, जो उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार की विदाई की घंटी बजा सकती है। 2. साल 2029 - केंद्र से मोदी सरकार की विदाई: इंडस्ट्री के बड़े पैमाने पर सपोर्ट के बिना और बेहिसाब महंगाई और बेरोजगारी पर जनता के गुस्से के बीच, दिल्ली में सत्ता में मोदी सरकार के लिए 2029 तक टिके रहना मुश्किल होगा। देश में अब एक नई हवा चल रही है, और यह बदलाव देश के राजनीतिक इतिहास को हमेशा के लिए बदलने के लिए तैयार है!

इंसान ने एआई बनाया था... अब एआई ही इंसान को काम सिखा रहा है!

(व्यंग्य: रोल रिवर्सल)



(शुक्रवार) 2 अक्टूबर 2026

आज कामकाज में तेजी रहेगी, नई जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं और आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर सामने आएंगे।

कारोबार में लाभ की स्थिति बनेगी, रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी और कोई अच्छी खबर आपका उत्साह बढ़ा सकती है।

आज धन संबंधी मामलों में स्थिति भव्यवत् होगी, परिवार का सहयोग मिलेगा और लंबे समय से रुके काम पूरे हो सकते हैं।

नए लोगों से संबंध लाभदायक रहेगा, कार्यक्षेत्र में नई सहायताएं मिलेंगी और किसी महत्वपूर्ण योजना में सफलता मिल सकती है।

आज मन प्रसन्न रहेगा, नौकरी और व्यवसाय में प्रगति के साथ परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा।

मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूरे होंगे और कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ने के योग्य हैं।

आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे, कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और किसी अनुभवी व्यक्ति का सहयोग मिल सकता है।

आज भाग्य का साथ मिलेगा, कार्रवा में चुड़े नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं।

कार्यक्षेत्र में प्रगति के संकेत हैं, आर्थिक-व्यवसाय में लाभ मिलेगा और सहयोगियों का साथ बना रहेगा।

नई योजनाओं पर काम शुरू करने का अच्छा समय है, आर्थिक-व्यवसाय में लाभ मिलेगा और सहयोगियों का साथ बना रहेगा।

दिन सकारात्मक रहेगा, रुके हुए काम पूरे होंगे और परिवार से जुड़ी कोई सुखद खबर आपका दिन बेहतर बना सकती है।

असली गुजराती कैप्टन स्मित मच्छर की फरिश्ते जैसी बहादुरी ने 174 पैसेंजर्स को बचाया!

आसमान में मौत का खेल : ओमानी को-पायलट ने प्लेन क्रैश करने की डरावनी कोशिश की

अहमदाबाद / दुबई। क्या होगा अगर आसमान में हज़ारों फीट ऊपर उड़ रहे प्लेन में कोई को-पायलट गहरी खाई में क्रैश हो जाए? 30 सितंबर, 2026 को दुबई से तेल अवीव (इज़राइल) जा रही फ्लाईदुबई फ्लाइट FZ1073 में हुई इस घटना ने पूरी दुनिया में हैरानी पैदा कर दी है। कॉकपिट के अंदर हुई इस खूनी लड़ाई में, असली गुजराती और भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर की मजबूत इच्छाशक्ति और कमाल की समझ ने एक बड़ी हवाई दुर्घटना को टाल दिया और 9/11 जैसी दुखद घटना को होने से रोक दिया। कॉकपिट मर्डर: ओमानी को-पायलट का खतरनाक दुश्मनी भरा कदम घटनाक्रम के अनुसार, जब फ्लाइट हवा में नॉर्मल उड़ रही थी, तो एक ओमानी को-पायलट अचानक अपना दिमागी संतुलन खो बैठा और उसने प्लेन को क्रैश करने के इरादे से मेन पायलट पर जानलेवा हमला कर दिया। जब कैप्टन स्मित मच्छर ने उसे यह आत्मघाती कदम उठाने से रोकने की कोशिश की, तो हमलावर को-पायलट ने अपने पास मौजूद चाकू से कैप्टन स्मित पर जानलेवा हमला कर दिया।

इस अचानक हुए हमले में कैप्टन स्मित के शरीर पर कई गंभीर चोटें आईं और वह खून बहने से मर गए। प्लेन 17,400 फीट नीचे गिरा: मौत से लड़ाई हमलावर के कंट्रोल और बिना सोचे-समझे किए गए पैतरे की वजह से प्लेन अचानक हवा में करीब 17,400 फीट नीचे गिर गया। प्लेन में सवार 174 पैसेंजर और क्रू मेंबर की सांसें थम गईं। लेकिन, गंभीर रूप से घायल होने और असहनीय दर्द में होने के बावजूद, कैप्टन स्मित मच्छर ने हार नहीं मानी। खून बहने के बावजूद, उन्होंने प्लेन का कंट्रोल नहीं छोड़ा और हमलावर से जोरदार लड़ाई जारी रखी। इस मुश्किल हालात में भी अपनी मौजूदगी का एहसास कराते हुए, कैप्टन स्मित ने अपनी टाइमिंग का इस्तेमाल करके कॉकपिट का दरवाज़ा खोल दिया, जिससे केबिन में मौजूद दूसरे क्रू मेंबर और हिम्मत वाले यात्री तुरंत अंदर भागे और ओमानी हमलावर पायलट को पकड़कर काबू में कर लिया। उसी समय, इमरजेंसी स्काई सिग्नल (स्क्वाक) भी बॉडकास्ट हो गया।

सऊदी अरब के ताबुक एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग: जान बचाने वाली सेफ्टी हमलावर को कंट्रोल करने के बाद, कैप्टन स्मित और उनकी टीम ने बहुत खून बहने के बावजूद, बहादुरी से फ्लाइट को दिशा बदली और सऊदी अरब के पास के ताबुक एयरपोर्ट पर प्लेन की बहुत ही कुशलता और सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई। जैसे ही प्लेन लैंड हुआ, सऊदी सिक्वोरिटी

एजेंसियों ने तुरंत एक्शन लिया और हमलावर पायलट को गिरफ्तार कर लिया। खून बहने की हालत में कैप्टन स्मित मच्छर को तुरंत ताबुक के एक लोकल हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया, जहाँ उनकी इमरजेंसी सर्जरी हुई। डॉक्टरों के मुताबिक, उनकी हालत स्थिर है। रिपोर्ट में भारतीय दूतावास कैप्टन स्मित और उनके परिवार के साथ लगातार संपर्क में है। गुजराती बेटे की बहादुरी को सलाम: पूरे देश को गर्व है अगर कैप्टन स्मित मच्छर ने मुश्किल की इस घड़ी में बहुत ज्यादा सब्र और बहादुरी नहीं दिखाई होती, तो प्लेन क्रैश में 174 से ज्यादा बेगुनाह लोग मारे जाते। गुजरात की धरती के इस बेटे ने अपनी जान की परवाह किए बिना जो हिम्मत दिखाई, उससे आज पूरे देश में उनका गर्व और बढ़ गया है।

लगातार 8वें हफ़ते मार्केट लाल निशान पर, 10 लाख करोड़ रुपये का नुकसान विदेशी इन्वेस्टर्स ने 7 दिनों में 29 हज़ार करोड़ निकाले और गिरते रुपये ने इन्वेस्टर्स को झटका दिया

शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने वाले मिडिल क्लास लोग मोदी-शाह की सलाह से बर्बाद

अहमदाबाद / गांधीनगर। आज देश के लोगों को आर्थिक बर्बादी की ऐसी खाई में धकेल दिया गया है, जहाँ से निकलने का कोई रास्ता नहीं है। लगातार आठवें हफ़ते शेयर मार्केट में दिख रही खून-खराबे जैसी गिरावट ने देश के इन्वेस्टर्स की कमर तोड़ दी है। कुछ ही दिनों में इन्वेस्टर्स को अंदाज़न 10 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। विदेशी ईस्टीमेशनल इन्वेस्टर्स ने सिर्फ़ 7 दिनों में भारतीय मार्केट से अपने 29,000 करोड़ रुपये निकाल लिए हैं। दूसरी तरफ़, रू डॉलर के मुकाबले रुपया अब तक के सबसे निचले लेवल पर आ गया है। इस भयानक आर्थिक संकट के बीच सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या देश की इकॉनमी अब देश के आम लोगों के लिए एक बड़ा खतरा बन गई है? नेताओं के खोखले भाषण और जनता का खाली होता खजाना!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह देश की जनता को बड़े-बड़े भाषण देकर भरोसा दिलाते थे कि, ‘स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करो, देश की इकॉनमिक तरक्की में पार्टनर बनो और अच्छा रिटर्न पाओ।’ सरकार के इन खोखले दावों पर भरोसा करके, अपनी मेहनत की कमाई, प्रोविडेंट फंड का पैसा या घर के गहने बेचकर स्टॉक मार्केट में कूदने वाले मिडिल क्लास परिवार आज सड़कों पर आ गए हैं। जिन हज़मरानों को इकॉनमी का े भी नहीं पता, वे आज देश को इकॉनमिक ज्ञान देने निकले हैं। देश चलाने वाले समझौता न करने वाले नेताओं की गलत इकॉनमिक पॉलिसी की वजह से आज आम इन्वेस्टर की हालत इतनी खराब हो गई है कि वे न तो किसी को बता सकते हैं और न ही बर्दाश्त कर सकते हैं। डॉलर के मुकाबले रुपया कमज़ोर: BJP सरकार की सबसे बड़ी नाकामी

BJP सरकार में डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की कीमत में गिरावट जारी है। रुपया जितना कमज़ोर होता है, महंगाई आम आदमी के घरों की रसोई पर उतना ही बोझ बढ़ाती है। इम्पोर्ट महंगे होते जाते हैं, पेट्रोल-डीजल और कच्चे माल की कीमतें आसमान छूती जाती हैं, लेकिन सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए झूठ फैलाने में लगी रहती है। सवाल पूछे जाने चाहिए! क्या BJP सरकार के पास इकॉनमी को संभालने की कोई दूर की सोच है? जब विदेशी इन्वेस्टर भारतीय बाज़ार से पैसा निकाल रहे हैं, तो सरकार गहरी नींद में क्यों सो रही है? GDP के आंकड़ों का भ्रम: विकास सिर्फ़ कागज़ों पर! जब से केंद्र में BJP सरकार आई है, देश के

GDP के आंकड़ों में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी हुई है। ज़मीनी हकीकत यह है कि बेरोज़गारी अपने चरम पर है, इंडस्ट्रीज़ मंदी की चपेट में हैं और आम आदमी की खरीदने की ताकत पूरी तरह से कम हो गई है, फिर भी सरकार डेटा से खेल रही है और सब ठीक होने का राग अलाप रही है। कागज़ पर दिखाए गए विकास के गुब्बारे अब फूट चुके हैं और असली तस्वीर जनता के सामने आ चुकी है। अब जागने का समय है! अगर देश के नागरिक अब चुप रहे, तो यह शिकारी सिस्टम देश की नींव भी हिला देगा। अर्थव्यवस्था की असली दिशा और दशा बदलने के लिए, जनता को अब भ्रष्ट और नाकाबिल लीडरशिप के खिलाफ सवाल उठाने होंगे। अगर हम समय रहते नहीं जागे, तो हमारा भविष्य और आने वाली पीढ़ियाँ आर्थिक गुलामी में धकेल दी जाएँगी।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भचाऊ एस.टी. डिपो में स्वच्छता का संकल्प : विद्यार्थियों की रैली से गूंज उठा पूरा परिसर

भचाऊ। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 01 अक्टूबर, 2026, गुरुवार को भचाऊ एस.टी. डिपो में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस अभियान में एस.टी. विभाग के कर्मचारियों, शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। इस अवसर पर भचाऊ एस.टी. डिपो के डिपो मैनेजर श्री मयूर राठौड़ तथा

एस.टी. विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। भचाऊ तालुका शिवसेना के अध्यक्ष श्री कुलदीपसिंह जाला भी इस अभियान में शामिल हुए। श्री लेवा पाटीदार बोर्डिंग संचालित सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भचाऊ के प्रधानाचार्य श्री प्रकाशकुमार चंपकलाल पंडित के मार्गदर्शन में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक तथा अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, ग्रांटेड माध्यमिक विभाग, कच्छ जिला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री रूपेशभाई सोलंकी,

शिक्षक श्री दर्शन चौधरी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों द्वारा ‘स्वच्छता ही प्रभुता है’ जैसे प्रेरणादायी नारों के साथ जागरूकता रैली निकाली गई। विद्यार्थियों के स्वच्छता संदेश से पूरा एस.टी. डिपो परिसर गूंज उठा। रैली के पश्चात विद्यार्थियों एवं उपस्थित सभी लोगों ने डिपो परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से श्रमदान किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल परिसर की सफाई तक सीमित न रहकर

समाज में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना को और अधिक मजबूत करना था। विद्यार्थियों ने स्वच्छ परिसर, स्वच्छ शहर और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया। स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ और सकाराी समाज के निर्माण के लिए एक सतत जीवनशैली है। इसी संकल्प के साथ पूरा कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

हनुमान भजन से पहचान बनाने वाले सुनील लोधी की आंखों का होगा इलाज, फिल्म प्रोड्यूसर अनुप्रिया नागर ने बढ़ाया मदद का हाथ

फिल्म ‘हनुमान अंश’ में ‘मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान’ भजन गाकर पहचान बनाने वाले सुनील लोधी की आंखों के इलाज की पहल की गई है। फिल्म प्रोड्यूसर अनुप्रिया नागर ने सुनील की मदद के लिए आगे आते हुए उनके इलाज की जिम्मेदारी उठाने की पहल की है। सुनील बचपन से ही दृष्टिबाधित हैं। अब उनके मुंबई आने पर आंखों के विशेषज्ञ से उनकी जांच कराने की तैयारी है। उम्मीद है कि नवंबर से उनके उपचार की शुरुआत हो सकती है। अनुप्रिया नागर ने बताया कि सुनील जब पिछली बार मुंबई आए थे, तब उनके लिए आंखों के विशेषज्ञ से अपॉइंटमेंट भी लिया गया था, लेकिन किसी कारण से उनकी जांच नहीं हो सकी। अब उनके अगले मुंबई दौर के दौरान दोबारा विशेषज्ञ से जांच कराने की तैयारी की जा रही है। फिलहाल किस अस्पताल में इलाज होगा और उपचार की पूरी प्रक्रिया क्या रहेगी, यह तय नहीं हुआ है। डॉक्टरों की जांच और मेडिकल रिपोर्ट के बाद ही आगे की दिशा स्पष्ट होगी। अनुप्रिया ने बताया कि सुनील से बातचीत के दौरान उनकी सोच और हनुमान जी के प्रति आस्था ने उन्हें काफी प्रभावित

किया। उनका कहना है कि तमाम मुश्किलों के बावजूद सुनील अपनी सफलता और जीवन में मिले प्यार का श्रेय हनुमान जी को देते हैं। यही बात नुप्रिया के मन को छू गई और उन्होंने सुनील के लिए कुछ करने का फैसला किया। अनुप्रिया ने कहा कि सुनील प्यार और अपनाना महसूस करते हैं, लेकिन उनकी इच्छा है कि वे इस प्यार को देख भी सकें। उन्होंने कहा कि बहन होने के नाते वह सुनील को अपना भाई मानती हैं। उनके मुताबिक, सुनील युवा हैं और उनमें भरपूर प्रतिभा है। ऐसे में उन्हें लगा कि उनकी मदद के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि सुनील के इलाज में मध्य प्रदेश सरकार की ओर से भी सहयोग मिल रहा है। अनुप्रिया ने कहा कि इस बार उन्हें खुशी

आम लोगों में स्टॉक मार्केट को लेकर एक बहुत बड़ी गलतफहमी फैली हुई है कि कोई रातों-रात अमीर बन सकता है। लेकिन, मार्केट रेगुलेटर SEBI ने स्टॉक मार्केट के डेटा के आधार पर जो आंकड़े बताए हैं, उन्होंने सबकी आंखें खोल दी हैं। SEBI की रिपोर्ट के मुताबिक, इंट्राडे ट्रेडिंग करने वाले 90% लोग अपनी मेहनत की कमाई गँवा देते हैं और पानी में डूब जाते हैं! इसके बावजूद, आज के युवा और ट्रेडर रोजाना हज़ारों रुपये कमाने की सनक में इस कड़वी सच्चाई को मानने को तैयार नहीं हैं और अपनी बेवकूफी छोड़ने का नाम नहीं ले रहे हैं।

इंट्राडे ट्रेडिंग: सझ़ या लॉटरी? बहुत से लोग स्टॉक मार्केट को जुए या लॉटरी का खेल मानते हैं। उन्हें लगता है कि आज सुबह शेयर खरीदेंगे और शाम को बेचकर बड़ा प्रॉफिट कमाएंगे। लेकिन असलियत यह है कि स्टॉक मार्केट में प्रॉफिट कभी भी लॉटरी जीतने जैसा नहीं होता। इंट्राडे ट्रेडिंग प्रोफेशनल मार्केटर्स और चार्ट एनालिस्ट का खेल है। जो लोग बिना जानकारी के इंट्राडे या फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस में कूदते हैं, सिर्फ़ टिप्स पर भरोसा करते हैं या लालच में आकर, असल में अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। यह मार्केट कोई लॉटरी टिकट नहीं है, जहाँ किस्मत काम करेगी; यहाँ बिना जानकारी के ट्रेडिंग करने से सीधे बर्बादी होती है। सच्चा इन्वेस्टमेंट: किसी सोसाइटी में प्लॉट जैसा लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट जैसे कोई समझदार इंसान किसी अच्छी सोसाइटी या पॉश इलाके में प्लॉट या प्रॉपर्टी खरीदकर उसे लंबे समय तक संभालकर रखता है, और समय के साथ उसकी कीमत कई गुना बढ़ जाती है, स्टॉक मार्केट भी ठीक उसी तरह

काम करता है। मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियाँ: अगर आप अच्छी, मजबूत और भरोसेमंद कंपनियों के स्टॉक्स में लॉन्ग-टर्म (लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट) के लिए इन्वेस्ट करते हैं, तो समय के साथ डिविडेंड और बोनस शेयर्स के जरिए आपकी पूंजी सुरक्षित रहती है और आपको अच्छा रिटर्न मिलता है। सब्र का फल: बिज़नेस या खेती की तरह, स्टॉक मार्केट को भी पकने में समय लगता है। रातों-रात अमीर बनने का लालच हमेशा बर्बादी लाता है। बिना समझे इन्वेस्ट करना फाइनेंशियल सुसाइड है! आज, किसी भी नकली फाइनेंशियल इन्फ्लुएंसर या सोशल मीडिया पर किसी अनजान व्यक्ति की सलाह पर या अपनी बेविक समझ के बिना स्टॉक मार्केट में पैसा लगाना फाइनेंशियल सुसाइड करने जैसा है। अगर आप दूसरों की अंधी सलाह पर अपनी मेहनत की कमाई बर्बाद करेंगे, तो आपको फायदे से कई गुना ज्यादा नुकसान ही होगा और आपकी पूरी पूंजी डूब जाएगी। रीडर्स के लिए खास चेतावनी: अगर आप स्टॉक मार्केट में बने रहना चाहते हैं और फाइनेंशियली वायबल बनना चाहते हैं, तो शॉर्टकट यानी इंट्राडे ट्रेडिंग बंद करें। सही रिसर्च करें, कंपनी की बैलेंस शीट और बिजनेस मॉडल को समझें, और लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट (लॉन्ग-टर्म वेल्थ क्रिएशन) का मंत्र अपनाएं। याद रखें, स्टॉक मार्केट जुए का अड्डा नहीं है, बल्कि देश की सबसे अच्छी कंपनियों में पार्टनर बनने का एक सुनहरा मौका है- फर्क सिर्फ़ इस बात का है कि आप इसे कैसे देखते हैं!

कई बार संबंध बनाए... युवती 4 महीने की गर्भवती हुई तो मुकर गया युवक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कौशांबी. उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में एक युवती ने गांव के ही युवक पर शादी का वादा कर कई बार संबंध बनाने का आरोप लगाया है। युवती के मुताबिक, युवक ने उसे शादी का भरोसा दिया था। इसी दौरान दोनों के बीच संबंध बने। जब युवती 4 महीने की गर्भवती हो गई तो युवक ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया। इसके बाद युवती के परिवार उसे लेकर कड़ा धाम कोतवाली पहुंचे और पुलिस से शिकायत की। पुलिस के अनुसार, युवती का गांव के रहने वाले युवक के साथ काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों चोरी-छिपे एक-दूसरे से मिलते थे। युवती का आरोप है कि बातचीत और मुलाकातों के दौरान युवक ने उससे शादी करने का भरोसा दिया। इसके बाद युवक ने कई बार उसके साथ संबंध बनाए। युवती के गर्भवती होने के बाद मामला सामने आया। आरोप है कि जब उसे करीब 4 महीने का गर्भ उठर गया तो युवक शादी के वादे से मुकर गया। युवती ने यह बात अपने परिजनों को बताई, जिसके बाद परिवार के लोग उसे लेकर कड़ा धाम थाने पहुंचे और युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने युवती की शिकायत के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने पीड़िता को चिकित्सकीय जांच के लिए जिला अस्पताल भेजा है। मामले में पुलिस आरोपी पक्ष से भी पूछताछ और अन्य आवश्यक कार्रवाई कर रही है। सिराथू के पुलिस उपाधीक्षक सत्येंद्र तिवारी ने बताया कि युवती की शिकायत पर युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा गया है और प्रकरण में आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक रस्सी और पानी का सफर... हमीरपुर में जुगाड़ की नाव से स्कूल पहुंचा बच्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में बारिश के बाद जलभराव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कई इलाकों में पानी भरने से लोगों की रोजमर्रा की आवाजाही प्रभावित हो रही है। इसी बीच मुस्करा कोतवाली क्षेत्र में जीआईसी स्कूल के पास की बस्ती का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक पिता अपने बच्चे को पानी से भरे रास्ते के पार ले जाता दिखाई दे रहा है। वायरल वीडियो में बच्चे ने स्कूल की वर्दी पहन रखी है। उसके पिता ने दो लकड़ी के टुकड़ों और रस्सी की मदद से एक अस्थायी जुगाड़ तैयार किया है। इसी जुगाड़ के सहारे बच्चे को पानी के बीच से पार ले जाया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बन गया कि जलभराव के कारण स्थानीय लोगों को किस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी मोहम्मद यूनुस के मुताबिक, पिछले तीन दिनों से हुई लगातार बारिश के बाद बस्ती में काफी पानी भर गया था। रोजमर्रा के काम के लिए लोगों को इसी पानी से होकर गुजरना पड़ रहा था। ऐसे में उन्होंने उपलब्ध सामान से दो लकड़ियों का सामना करना बांधकर यह अस्थायी व्यवस्था तैयार की, जिसका इस्तेमाल पानी पार करने के लिए किया जा रहा है। बारिश के बाद हमीरपुर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। पानी जमा होने से स्कूल जाने वाले बच्चों के साथ कामकाज के लिए निकलने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में स्थानीय लोगों ने अपनी जरूरत के हिसाब से अलग-अलग तरीके तलाशने शुरू कर दिए हैं। भारत में जरूरत के समय स्थानीय स्तर पर जुगाड़ तैयार करने के उदाहरण अक्सर सामने आते हैं। हमीरपुर का यह मामला भी इसी तरह की कोशिश को दिखाता है। हालांकि, पानी पार करने के लिए ऐसी अस्थायी व्यवस्था का इस्तेमाल बच्चों और अन्य लोगों की सुरक्षा को लेकर सवाल भी खड़े करता है। फिलहाल दो लकड़ियों, एक रस्सी और पानी से भरे रास्ते का यह वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है।

‘सर, मिड डे मील में पानी मिली दाल और खराब रोटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था की जमीनी स्थिति जानने के लिए निरीक्षण पर पहुंचे डीएम अशोक कुमार के सामने बच्चों ने मिड डे मील और पढ़ाई को लेकर कई शिकायतें रखीं। मामला कुरारा क्षेत्र के पतारा गांव स्थित कंपोजिट प्राथमिक स्कूल का है। बच्चों ने डीएम से कहा कि उन्हें पानी मिली दाल और खराब रोटी खाने के लिए दी जाती है। वहीं, दूध में मझू मिलाकर दिए जाने की भी शिकायत की गई। निरीक्षण के दौरान डीएम ने स्कूल में बच्चों से पढ़ाई को लेकर सवाल-जवाब किए। उन्होंने पूछा कि किस बच्चे को 12 का पहाड़ आता है। एक बच्चे ने खड़े होकर 12 का पहाड़ सुनाया। इसके बाद एक अन्य बच्चे ने 13 का पहाड़ भी सुना दिया। ब्लैक बोर्ड पर बच्चों से गुणा-भाग के सवाल हल करने को कहा गया तो तीन बच्चों ने कुछ ही सेकंड में सवाल हल कर दिए। बच्चों के जवाब से डीएम ने पटन-पाटन की स्थिति पर संतोष जताया। इसके बाद डीएम ने मिड डे मील में मिलने वाले भोजन के बारे में बच्चों से जानकारी ली। बच्चों ने सामूहिक रूप से कहा कि भोजन तो मिलता है, लेकिन उसकी गुणवत्ता अच्छी नहीं है। बच्चों ने दूध में मझू मिलाकर दिए जाने की शिकायत भी की। डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए। डीएम ने भोजन की गुणवत्ता को लेकर निर्देश दिया कि दोपहर का भोजन तैयार करने में अच्छी गुणवत्ता वाले मसाले और तेल का इस्तेमाल किया जाए। भोजन तैयार होने के बाद स्कूल समिति के सदस्यों द्वारा पहले उसे चखने के बाद ही बच्चों को परोसा जाए। उन्होंने साफ कहा कि भोजन व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही मिलने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान डीएम ने स्कूल की लाइब्रेरी, नवनिर्मित भवन और कक्षों का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भवन का हस्तांतरण हो चुका है, इसलिए 15 दिनों के भीतर बच्चों के लिए मेज-कुर्सियों की व्यवस्था की जाए। स्कूल में साफ-सफाई समेत अन्य कमियां मिलने पर उन्होंने बीएसए को 15 दिन के भीतर उन्हें दूर कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद जब डीएम अपनी कार की ओर बढ़ रहे थे, तभी कई बच्चे उनके पास पहुंच गए। बच्चों ने घेरेकर मिड डे मील की व्यवस्था को लेकर फिर शिकायत की। उन्होंने कहा कि उन्हें पानी मिली दाल और खराब रोटी दी जाती है। बच्चों ने गणित के शिक्षक पर सवाल पूछने पर मारपीट करने का आरोप भी लगाया। बच्चों की शिकायतें सुनने के बाद डीएम ने बीएसए प्रमुख खरवार को मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक बिजेंद्र कुमार को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच और स्पष्टीकरण के आधार पर की जाएगी।

कौन हैं आईएस ऋषव गुप्ता? जनसुनवाई में बुजुर्ग को बाहर करवाने का वीडियो वायरल, पत्रकारों से भी हुई बहस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता इन दिनों जनसुनवाई के दौरान सामने आए एक घटनाक्रम को लेकर चर्चा में हैं। मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान एक 65 वर्षीय बुजुर्ग अपनी शिकायत लेकर कलेक्टर के पास पहुंचे थे। आवेदन को संबंधित अधिकारी के पास भेजे जाने के बाद बुजुर्ग अपनी शिकायत पर क्या लिखा गया है, यह जानना चाहते थे। इसी दौरान दोनों के बीच बातचीत हुई और मामला गर्मा गया। बाद में सुरक्षाकर्मियों ने बुजुर्ग को पकड़कर बाहर कर दिया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। बताया गया कि आनंदनगर निवासी प्रकाशचंद राजाणी अपनी दुकान से जुड़े विवाद को लेकर लंबे समय से अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं। मंगलवार को भी वह जनसुनवाई में पहुंचे थे। कलेक्टर ने उनका

आवेदन संबंधित अधिकारी को भेजने की बात कही। बुजुर्ग ने जब उनसे पूछा कि आवेदन में क्या लिखा गया है, तो बातचीत के दौरान स्थिति बिगड़ गई। इसके बाद कलेक्टर ने सुरक्षाकर्मियों को उन्हें बाहर ले जाने के निर्देश दिए। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मी बुजुर्ग को पकड़कर बाहर ले गए। इस दौरान बुजुर्ग की ओर से भी विरोध किए जाने की बात सामने आई है। घटना को वहां मौजूद पत्रकारों ने कैमरे में रिकॉर्ड किया। रिपोर्ट के मुताबिक, इसके बाद कलेक्टर ने पत्रकारों की ओर नाराजगी जताई और उनसे घटना की रिकॉर्डिंग को लेकर भी बहस हुई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। प्रकाशचंद राजाणी का कहना है कि वह अपनी दुकान से जुड़े मामले को लेकर करीब 10 वर्षों से शिकायत कर रहे हैं। उनका आरोप है कि टाउन हॉल क्षेत्र में स्थित उनकी दुकान को लेकर विवाद चल रहा है और समस्या का अब तक समाधान

नहीं हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने इससे पहले भी जनसुनवाई में अपनी शिकायत को लेकर विरोध जताया था। ऋषव गुप्ता मध्य प्रदेश संवर्ग के 2014 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। मध्य प्रदेश सरकार के खंडवा जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, वह वर्तमान में खंडवा के कलेक्टर और जिला दंडाधिकारी हैं। सरकारी रिकॉर्ड में उनका सेवा आवंटन वर्ष 2014 दर्ज है। ऋषव गुप्ता की शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी तकनीकी क्षेत्र से जुड़ी है। उपलब्ध अधिकारी प्रोफाइल के अनुसार उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। भारतीय प्रशासनिक सेवा में आने से पहले उन्होंने निजी क्षेत्र में भी काम किया था। उपलब्ध रिपोर्टों के मुताबिक, उन्होंने रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड के वैश्विक बैंकिंग और बाजार विभाग में सॉफ्टवेयर विश्लेषक के रूप में काम किया था और इसी दौरान संघ लोक सेवा



आयोग की परीक्षा की तैयारी की। ऋषव गुप्ता की पत्नी भव्या मित्तल भी भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी हैं। वह मध्य प्रदेश में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर काम कर चुकी हैं और खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता के साथ 2025 में राष्ट्रीय जल पुरस्कार से जुड़े एक समारोह में भी चर्चा में रही थीं।

महिला कर्मचारी ने अधिशासी अभियंता पर अभद्रता का आरोप लगाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में विद्युत वितरण खंड में तैनात एक महिला कार्यकारी सहायक ने अधिशासी अभियंता रहलु बाबू कटियार पर अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज और मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। महिला कर्मचारी का आरोप है कि विभागीय काम के सिलसिले में उन्हें अपने कक्ष में बुलाकर अधिशासी अभियंता ने ऊंची आवाज में बात की और कथित तौर पर कहा, ‘अगर तुम आदमी होती तो थपड़ मार देता।’ महिला कर्मचारी अलका चौहान ने अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मंडल प्रथम देहात उमेश चंद जैन को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के मुताबिक, अधिशासी अभियंता ने बिना किसी कारण उनके साथ ऊंची आवाज में बात की और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। महिला कर्मचारी का आरोप है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उन्हें थपड़ मारने की बात कही गई और कार्यालय से बाहर जाने के लिए कहा गया। शिकायत सामने आने के बाद दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के मुख्य अभियंता (वितरण) अरविंद नायक ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है। समिति को 10 दिन के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। मामले की जानकारी मिलने के बाद विद्युत विभाग के संयुक्त कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने भी महिला कर्मचारी का समर्थन किया। संघ की ओर से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। वहीं, अधिशासी अभियंता रहलु बाबू कटियार ने महिला कर्मचारी की ओर से लगाए गए आरोपों का निराधार बताया है। उनका कहना है कि उन्होंने केवल विभागीय कार्य को लेकर तेज आवाज में बात की थी और इसी बात से नाराज होकर उनके खिलाफ शिकायत की गई है।

सपा नेता की जिला पंचायत अध्यक्ष पर टिप्पणी से विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई में समाजवादी पार्टी के निवर्तमान जिलाध्यक्ष शराफत अली के एक कथित बयान को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। गोपमऊ में आयोजित पीछड़ा पंचायत के दौरान उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष प्रमावती पीके वर्मा को लेकर आश्रयण और उनकी सामाजिक पृष्ठभूमि से जुड़ी टिप्पणी की। इसका वीडियो सामने आने के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष ने आपत्ति जताते हुए कानूनी कार्रवाई की बात कही है। वायरल वीडियो में शराफत अली कथित तौर पर कहते सुनाई दे रहे हैं कि यदि मुलायम सिंह यादव ने आश्रयण व्यवस्था में बदलाव नहीं किया होता तो प्रेमावती आज जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर नहीं बैठी होतीं, बल्कि घाट पर कपड़े धो रही होतीं। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि का उल्लेख उपलब्ध रिपोर्टों में नहीं है। बयान सामने आने के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती वर्मा ने कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि किसी महिला की सामाजिक पृष्ठभूमि को लेकर इस तरह की टिप्पणी करना आपत्तिजनक है। प्रेमावती ने अपने शिक्षा और नौकरी के अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि वह शिक्षिका के रूप में काम कर चुकी हैं और बाद में राजनीति में आईं। उन्होंने आश्रयण को संवैधानिक व्यवस्था बताते हुए शराफत अली के खिलाफ पृष्ठभूमि को लेकर अली इससे पहले भी अपने बयानों को लेकर विवादों में रह चुके हैं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, जून 2026 में उनके कथित बयानों को लेकर सपा ने हरदोई की जिला कार्यकारिणी भंग की थी और उन्हें जिलाध्यक्ष पद से हटा दिया था। ताजा मामले में जिला पंचायत अध्यक्ष की ओर से कानूनी कार्रवाई की घोषणा के बाद विवाद और बढ़ गया है। अब पुलिस में शिकायत होने और उसके बाद जांच में सामने आने वाले तथ्यों पर आगे की कार्रवाई निर्भर करेगी।

ओडिशा के कॉन्स्टेबल ने की गांजा तस्कर की मुखबिरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सोधी। मध्य प्रदेश के सोधी जिले की छुहिया घाटी में ओडिशा पुलिस की टीम पर हमला कर कुख्यात गांजा तस्क़र को छुड़ ले जाने के मामले में अब पुलिस को अंदरूनी सूचना लौक होने का शक है। जांच इस बात पर केन्द्रित है कि आरोपी को आवाजाही और रूट की जानकारी बदमाशों तक कैसे पहुंची। कथमाल पुलिस की टीम 28 वर्षीय आदित्य मिश्रा उर्फ राकेश उर्फ सावरिया को कॉर्ट में पेशी के लिए रीवा ले जा रही थी। इसी दौरान छुहिया घाटी के पास हथियारबंद बदमाशों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया और आरोपी को छुड़कर फरार हो गए। हमले में एक कॉन्स्टेबल घायल हुआ है। आदित्य मिश्रा को ओडिशा पुलिस ने 30 जून को रीवा से गिरफ्तार किया था। इससे पहले 2 जून को पुलिस ने गोछापाड़ा इलाके में एक ट्रक से करीब 1,470 किगो गांजा बरामद किया था, जिसकी कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपये बताई गई। ट्रक चालक से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने रीवा में कार्रवाई कर आदित्य को पकड़ था। घटना के बाद ओडिशा पुलिस ने जांच के लिए विशेष टीम मध्य प्रदेश भेजी है। पुलिस इस बात की पुष्टता कर रही है कि मंगलवार को होने वाली पेशी और आरोपी की मूवमेंट की जानकारी बदमाशों तक कैसे पहुंची। अधिकारियों के मुताबिक, मध्य प्रेश में आवाजाही के दौरान ओडिशा पुलिस की यही टीम आरोपी के साथ थी, इसलिए संभावित सूचना लौक के स्रोत की भी जांच की जा रही है।



गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि इलाके में 1990 से 1995 के बीच बिछाई गई सीयर लाइन और 1999 से 2004 के बीच डाली गई पेयजल पाइपलाइन निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं थीं। पाइपलाइनों की खामियों, लीकेज और रखरखाव में कमी के चलते सीयर का पानी पेयजल में मिल सकता था। आयोग के मुताबिक, दूषित पानी की आपूर्ति इस साल 6 फरवरी तक जारी रही। स्वास्थ्य विभाग को 12 फरवरी तक इलाके में 35 मौतों की जानकारी मिली थी, जिनमें 22

रात में 25 सेकंड में युवती का किडनैप, सुबह बोली- ‘हमारी मर्जी से भागे, शादी भी कर ली’

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में मंगलवार रात 19 वर्षीय युवती को घर के बाहर से कार में ले जाने का मामला सामने आने के बाद पुलिस सक्रिय हो गई। लालबाई फूलबाई क्षेत्र में हुई इस घटना का करीब 25 सेकंड का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें दो युवक एक युवती को पकड़कर कार की ओर ले जाते दिखाई दे रहे हैं। घटना के बाद परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी। हालांकि, बुधवार सुबह सामने आए युवक और युवती के वीडियो ने मामले में नया मोड़ ला दिया। दोनों ने वीडियो में खुद को बालिंग बताते हुए अपनी मर्जी से घर से जाने और शादी करने की बात कही है। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात करीब 9 बजे युवती अपने घर के बाहर बैठी थी। इसी दौरान एक बिना नंबर की कार वहां आकर रुकी। कार से दो युवक नीचे उतरे। इनमें से एक युवक ने युवती को पकड़ लिया और उसे अपने साथ ले जाने लगा। युवती को ले जाते देख आसपास मौजूद लोगों और परिजनों ने उसे रोकने और छुड़ाने की कोशिश की। इसी दौरान युवक युवती को घसीटते हुए कार तक ले गया। कुछ ही सेकंड में उसे कार में बैठाया गया और दोनों युवक वहां से फरार हो गए। पूरी घटना इतनी तेजी से हुई कि करीब 25 सेकंड के भीतर युवती को कार में बैठकर आरोपी वहां से निकल गए। बाद में घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया, जिसमें युवक युवती को पकड़कर कार की ओर ले जाते दिखाई दे रहे हैं। फुटेज सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी और युवती के अपहरण की आशंका जताई। युवती के अचानक गायब होने के बाद पुलिस



ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उसकी तलाश शुरू की। पुलिस ने संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई और रात में ही कई स्थानों पर दबिश दी। शुरुआती जांच में पुलिस को एक युवक की पहचान उर्दुपुरा निवासी ध्रुव कुमारवत के रूप में होने की जानकारी मिली। पुलिस युवक और उसके साथी की तलाश में जुट गई। युवती के पिता आउटसोर्स कर्मचारी के रूप में यातायात पुलिस थाने में क्रैन चलाने का काम करते हैं। बैटी के इस तरह अचानक घर के बाहर से गायब होने के बाद परिवार में चिंता का माहौल बन गया। परिजनों की ओर से पुलिस को घटना की जानकारी देने के बाद पुलिस जिस मामले को अपहरण की घटना मानकर युवती की तलाश कर रही थी, बुधवार सुबह उसके सामने आए वीडियो के बाद घटनाक्रम का दूसरा पक्ष सामने आया। परिवार के पास युवक और युवती का वीडियो पहुंचा। इसमें दोनों ने खुद को बालिंग बताया और कहा कि वे अपनी मर्जी से घर से गए हैं। दोनों ने शादी करने की बात भी कही। वीडियो में युवक और युवती ने परिवार से कहा कि उन पर किसी तरह का दबाव नहीं बनाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि दो-तीन दिनों में वे खुद थाने में पेश हो जाएंगे। एक अन्य वीडियो में युवती ने कहा कि उसे ले जाने के दौरान उसके साथ जबरदस्ती नहीं की गई। युवती ने दावा

सांकेतिक अंतिम संस्कार के बाद नेताओं का अस्थि विसर्जन, विरोध में 2 अक्टूबर को होगी तेरहवीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। मध्य प्रदेश के विंध्य क्षेत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से जुड़े मुद्दे को लेकर सामान्य वर्ग का विरोध लगातार जारी है। रीवा में विरोध प्रदर्शन के दौरान सामान्य वर्ग के लोगों ने पहले सांकेतिक रूप से नेताओं का अंतिम संस्कार किया और अब उनके अस्थि कलश को प्रयागराज ले जाकर गंगा में सांकेतिक अस्थि विसर्जन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की व्यवस्था को वापस लेने की मांग को लेकर नारेबाजी भी की। बताया गया कि रीवा में सांकेतिक अंतिम संस्कार के बाद अस्थि कलश को प्रयागराज ले जाया गया। रास्ते में मंगवां, गढ़, सोहागौ और चाकघाट सहित कई स्थानों पर सामान्य वर्ग के लोगों ने अस्थि कलश को श्रद्धांजलि दी। स्थानीय लोगों ने इस विरोध कार्यक्रम में शामिल होकर अपना

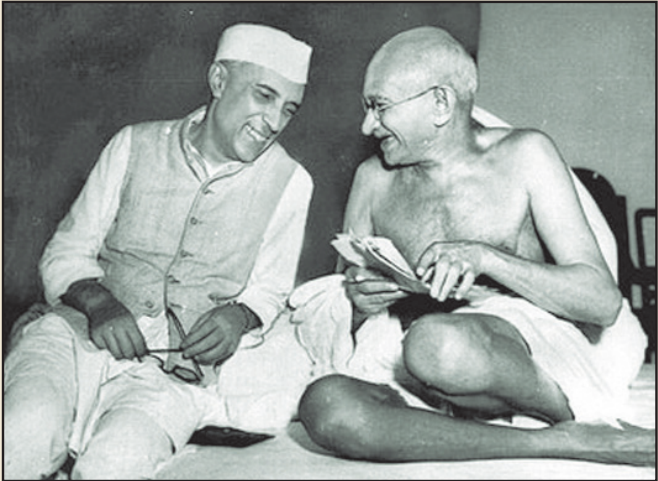


समर्थन भी जताया। प्रयागराज पहुंचने के बाद प्रदर्शन में शामिल लोगों ने मुंडन कराया और गंगा में सांकेतिक रूप से अस्थि विसर्जन किया। इस दौरान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की व्यवस्था को वापस लेने की मांग को लेकर नारे लगाए गए। आयोजकों का कहना है कि सांकेतिक अंतिम संस्कार और अस्थि विसर्जन के जरिए सामान्य वर्ग को नाराजगी दर्ज कराई जा रही है। विरोध प्रदर्शन से जुड़े लोगों का कहना है कि विश्वविद्यालय

अनुदान आयोग के मुद्दे को लेकर सामान्य वर्ग के लोगों में नाराजगी है। उनका कहना है कि इस विषय पर लोग अपनी चुप्पी तोड़ें और विरोध में अपनी भागीदारी दर्ज कराएं। इसी उद्देश्य से रीवा और विंध्य क्षेत्र में अलग-अलग तरीके से विरोध कार्यक्रम किए जा रहे हैं। अब 2 अक्टूबर को रीवा शहर के कोठी स्थित शिव मंदिर में तेरहवीं कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की गई है। आयोजकों ने सामान्य वर्ग के लोगों से बड़ी संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल होने और अपना समर्थन दर्ज कराने की अपील की है। विंध्य क्षेत्र के अन्य जिलों में भी इस मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी हैं। रीवा में सांकेतिक अंतिम संस्कार के बाद अस्थि विसर्जन और अब तेरहवीं कार्यक्रम की घोषणा से यह विरोध अभियान आगे भी जारी रहने के संकेत मिल रहे हैं।

महात्मा गांधी स्वतंत्र भारत के पिता

भारत के राष्ट्रपिता मोहनदास कर्मचंद गांधी जिन्हें बापू या महात्मा गांधी के नाम से भी जाना जाता है, के जन्म दिन 2 अक्तूबर को गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। वस्तुतः गांधीजी विश्व भर में उनके अहिंसात्मक आंदोलन के लिए जाने जाते हैं, और यह दिवस उनके प्रति वैश्विक स्तर पर सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है ।

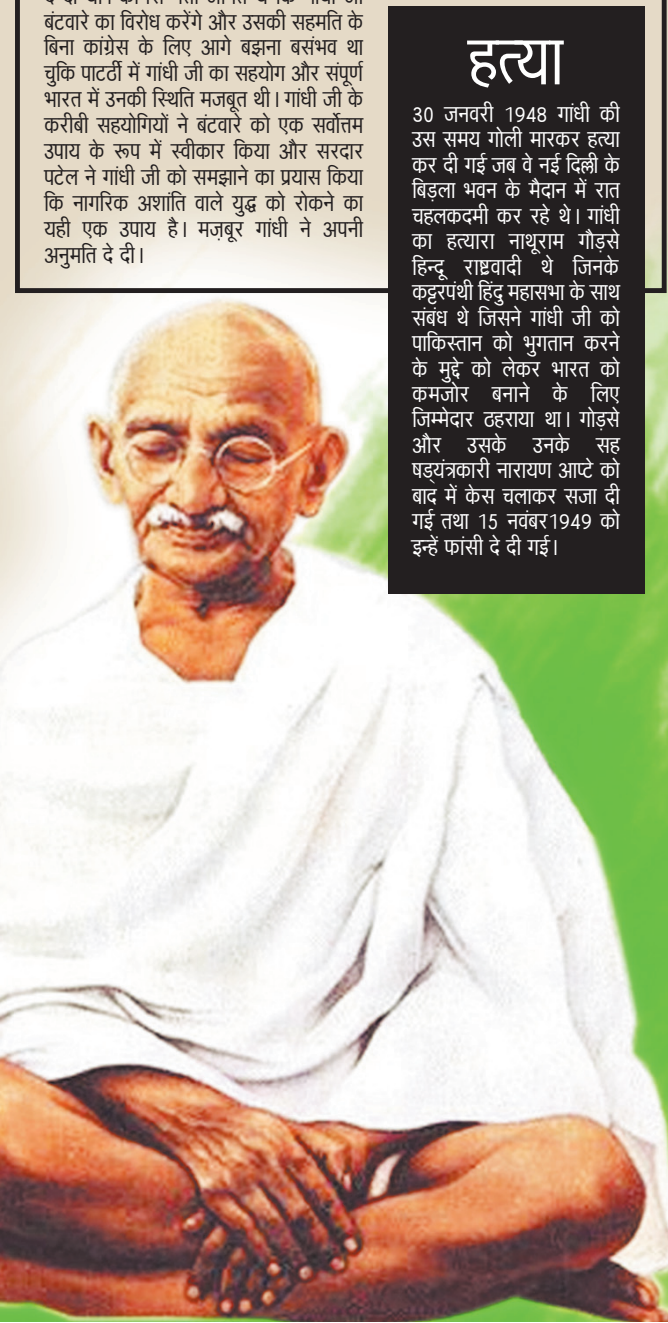


गया था अथवा ऐसा न करने के बदले अपने उद्देश्य के रूप में संपूर्ण देश की आजादी के लिए असहयोग आंदोलन का सामना करने के लिए तैयार रहे। गांधी जी ने न केवल युवा वर्ग सुभाष चंद्र बोस तथा जवाहरलाल नेहरू जैसे पुरुषों द्वारा तत्काल आजादी की मांग के विचारों को फलीभूत किया बल्कि अपनी स्वयं की मांग को दो साल की बजाए एक साल के लिए रोक दिया। अंग्रेजों ने कोई जवाब नहीं दिया। नही 31 दिसंबर 1929 , भारत का झंडा फहराया गया था लाहौर में है . 26 जनवरी 1930 का दिन लाहौर में भारतीय स्वतंत्रता दिवस के रूप में इंडियन नेशनल कांग्रेस ने मनाया। यह दिन लगभग प्रत्येक भारतीय संगठनों द्वारा भी मनाया गया। इसके बाद गांधी जी ने मार्च 1930 में नमक पर कर लगाए जाने के विरोध में नया सत्याग्रह चलाया जिसे 12 मार्च से 6 अप्रैल तक नमक आंदोलन के याद में 400 किलोमीटर (248 मील) तक का सफर अहमदाबाद से दांडी, गुजरात तक चलाया गया ताकि स्वयं नमक उत्पन्न किया जा सके। समुद्र की ओर इस यात्रा में हजारों की संख्या में भारतीयों ने भाग लिया। भारत में अंग्रेजों की पकड़ को विचलित करने वाला यह एक सर्वाधिक सफल आंदोलन था जिसमें अंग्रेजों ने 80,000 से अधिक लोगों को जेल भेजा।

द्वितीय विश्व युद्ध और भारत छोड़ो – द्वितीय विश्व युद्ध 1939 में जब छिड़ने नाजी जर्मनी आक्रमण पोलैंड, आरम्भ में गांधी जी ने अंग्रेजों के प्रयासों को अहिंसात्मक नैतिक सहयोग देने का पक्ष लिया किंतु दूसरे कांग्रेस के नेताओं ने युद्ध में जनता के प्रतिनिधियों के परामर्श लिए बिना इसमें एकतरफा शामिल किए जाने का विरोध किया। कांग्रेस के सभी चर्यनित सदस्यों ने सामूहिक तौर पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। लंबी चर्चा के बाद, गांधी ने घोषणा की कि जब स्वयं भारत को आजादी से इंकार किया गया हो तब लोकतांत्रिक आजादी के लिए बाहर से लड़ने पर भारत किसी भी युद्ध के लिए पार्टी नहीं बनेगी। जैसे जैसे युद्ध बढ़ता गया गांधी जी ने आजादी के लिए अपनी मांग को अंग्रेजों को भारत छोड़ो आन्दोलन नामक विधेयक देकर तीव्र कर दिया। यह गांधी तथा कांग्रेस पार्टी का सर्वाधिक स्पष्ट विद्रोह था जो भारतीय सीमा से अंग्रेजों को खदेड़ने पर लक्षित था। गांधी जी के दूसरे नंबर पर बैठे जवाहरलाल नेहरू की पार्टी के कुछ सदस्यों तथा कुछ अन्य राजनैतिक भारतीय दलों ने आलोचना की जो अंग्रेजों के पक्ष तथा विपक्ष दोनों में ही विश्वास रखते थे। कुछ का मानना था कि अपने जीवन काल में अथवा मौत के संघर्ष में अंग्रेजों का विरोध करना एक नश्वर कार्य है जबकि कुछ मानते थे कि गांधी जी पर्याप्त कोशिश नहीं कर रहे हैं। भारत छोड़ो इस संघर्ष का सर्वाधिक शक्तिशाली आंदोलन बन गया जिसमें व्यापक हिंसा और गिरफ्तारी हुई। पुलिस की गोलियों से हजारों की संख्या में स्वतंत्रता सेनानी या तो मारे गए या घायल हो गए और हजारों गिरफ्तार कर लिए गए। गांधी और उनके समर्थकों ने स्पष्ट कर दिया कि वह युद्ध के प्रयासों का समर्थन तब तक नहीं देंगे तब तक भारत को तत्काल आजादी न दे दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार भी यह आन्दोलन बन्द नहीं होगा यदि हिंसा के व्यक्तिगत कृत्यों को मूर्त रूप दिया जाता है। उन्होंने कहा कि उनके चारों ओर अराजकता का आदेश असली अराजकता से भी बुरा है। उन्होंने सभी कांग्रेसियों और भारतीयों को अहिंसा के साथ करो या मरो (अंग्रेजी में दू और डाय) के द्वारा अन्तिम स्वतन्त्रता के लिए अनुशासन बनाए रखने को कहा।

स्वतंत्रता और भारत का विभाजन

गांधी जी ने 1946 में कांग्रेस को ब्रिटिश केबीनेट मिशन के प्रस्ताव को ठुकराने का परामर्श दिया क्योंकि उसे मुस्लिम बहुलता वाले प्रांतों के लिए प्रस्तावित समूहीकरण के प्रति उनका गहन संदेह होना था इसलिए गांधी जी ने प्रकरण को एक विभाजन के पूर्वाभ्यास के रूप में देखा। हालांकि कुछ समय से गांधी जी के साथ कांग्रेस द्वारा मतभेदों वाली घटना में से यह भी एक घटना बनी। चूंकि नेहरू और पटेल जानते थे कि यदि कांग्रेस इस योजना का अनुमोदन नहीं करती है तब सरकार का नियंत्रण मुस्लिम लीग के पास चला जाएगा। 1948 के बीच लगभग 5000 लोग भी अधिक लोगों को हिंसा के दौरान मार के घाट उतार दिया गया। गांधी जी किसी भी ऐसी योजना के खिलाफ थे जो भारत को दो अलग अलग देशों में विभाजित कर दे भारत में रहने वाले बहुत से हिंदुओं और सिक्खों एवं मुस्लिमों का भारी बहुमत देश के बंटवारे के पक्ष में था। इसके अतिरिक्त मुहम्मद अली जिन्ना, मुस्लिम लीग के नेता ने, पश्चिम पंजाब, सिंध, उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत और ईस्ट बंगाल में व्यापक सहयोग का परिचय दिया। व्यापक स्तर पर फैलने वाले हिंदु मुस्लिम लड़ाई को रोकने के लिए ही कांग्रेस नेताओं ने बंटवारे की इस योजना को अपनी मंजूरी दे दी थी। कांग्रेस नेता जानते थे कि गांधी जी बंटवारे का विरोध करेंगे और उसकी सहमति के बिना कांग्रेस के लिए आगे बढ़ना बसभव था चूंकि पाटर्डी में गांधी जी का सहयोग और संपूर्ण भारत में उनकी स्थिति मजबूत थी। गांधी जी के करीबी सहयोगियों ने बंटवारे को एक सर्वोत्तम उपाय के रूप में स्वीकार किया और सरदार पटेल ने गांधी जी को समझाने का प्रयास किया कि नागरिक अशांति वाले युद्ध को रोकने का अहिंसा के साथ करो या मरो (अंग्रेजी में दू और डाय) के द्वारा अन्तिम स्वतन्त्रता के लिए अनुशासन अनुमति दे दी।



गांधी जयंती आत्ममूल्यांकन का दिन



आज गांधी जयंती है। गांधी प्रतिमाओं और उनकी तस्वीरों को पिछली पुण्यतिथि के बाद धोने–पोछने का यह पहला अवसर आया है। प्रत्येक वर्ष ऐसा ही होता है, जयंती और पुण्यतिथि के बीच की अवाधि में गांधीजी के साथ कोई नहीं होता है। कड़वी बात तो यह है कि बचे–खुचे गांधीवादी भी नहीं। वे गांधीजी का साथ दे भी नहीं सकते हैं क्योंकि जरूरतों और परिस्थितियों ने उन्हें भी सिखा दिया है कि गांधी बनने से केवल प्रताड़ना

मिल सकती है, संपदा, संपत्ति नहीं। वैचारिक धरातल में यह खोखलापन एक दिन या एक माह या एक वर्ष में नहीं आ गया। जान–बूझकर धीरे–धीरे और योजनाबद्ध ढंग से गांधी सिद्धांतों को मिटाया जा रहा है क्योंकि यह मौजूदा स्वार्थों में सबसे बड़े बाधक हैं। गांधी सिद्धांतों को मिटाने की इस गतिविधि को देखा नहीं गया, ऐसा नहीं है। सब चुप हैं क्योंकि अपना–अपना लाभ सभी को चुप रहने के लिए प्रेरित कर रहा है। आमतौर पर जन्मदिन या जयंती के दिन आस्था के फूल अर्पित करने की परंपरा है। इस दिन कड़वी बातों को कहने का रिवाज नहीं है। यदि इस रिवाज को तोड़ा जा रहा है, तो मजबूरी के दबाव को समझे जाने की आवश्यकता है। यह राष्ट्र नेताओं को महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर कीचड़ उछालने की अनुमति कैसे दे रहा है, क्यों दे रहा है? यह कैसी सहिष्णुता है जो राष्ट्र की बुनियादी विचारधारा को मटियामेट करने पर आमादा है?

कहते हैं कि जो राष्ट्र अपने चरित्र की रक्षा करने में सक्षम नहीं है, उसकी रक्षा कोई नहीं कर सकता है। क्या परमाणु बम भारतीयता की रक्षा कर पाएगा? दरअसल, यह भुला दिया गया है कि पहले विश्वास बनता है, फिर श्रद्धा कायम होती है। किसी ने अपनी जय–जयकार करवाने के लिए क्रम उलट दिया और उल्टी परंपरा बन गई। अब विश्वास हो या नहीं हो, श्रद्धा का प्रदर्शन जोर–शोर से किया जाता है। गांधीजी भी श्रद्धा के इसी प्रदर्शन के शिकार हुए हैं। उनके सिद्धांतों में किसी को विश्वास रहा है या नहीं, इससे कुछ फर्क नहीं पड़ता। जयंती और पुण्यतिथि पर उनकी कसमें खाकर वाहवाही जरूर लूटी जा रही है। गांधीजी के विचार बेचने की एक वस्तु बनकर रह गए हैं। वे छपे शब्दों से अधिक कुछ नहीं हैं। इसलिए ही गांधीजी की जरूरत आज पहले से कहीं अधिक है। इस जरूरत को पूरा करने की सामर्थ्य वाला व्यक्तिव दूर–दूर तक नजर नहीं आ रहा है। हर कोई चाहता है कि आदर्श और मूल्य इतिहास में बने रहे और इतिहास को वह पूजता भी रहेगा। परंतु अपने वर्तमान को वह इस इतिहास से बचाकर रखना चाहता है। अपने लालच की रक्षा में वह गांधी की रोज हत्या कर रहा है, धूल–पूल उन्हें मार रहा है और राष्ट्र भीड़ की तरह तमाशबीन बनकर चुपचाप उसे देख रहा है। शायद कल उनमें से किसी को यही करना पड़े! अपने हितों की विरोधी चीजों को इतिहास में बदल देने में भारतीयता आजादी के बाद माहिर हो चुकी है। वर्तमान और इतिहास की इस लड़ाई में वर्तमान ही जीतता आ रहा है क्योंकि इतिहास की तरफ से लड़ने वाले शेष नहीं हैं। आज गांधी जयंती है। गांधीजी की प्रतिमा के सामने आंख मूंदकर कुछ क्षण खड़े रहने वाले क्या यह पक्षाताप कर रहे होंगे कि वे गांधीजी के बताए रास्तों पर क्यों नहीं चल रहे हैं? नहीं, वे यह कतई नहीं सोच रहे होंगे। तब वे मन ही मन क्या कह रहे होंगे? सोचिए और उस पर मनन कीजिए। गांधी जयंती पर यही बड़ा काम होगा।

गांधीजी ने बजाया था सत्याग्रह का बिगुल

दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद भारतवासियों को उनके अधिकार दिलाने के लिए गांधी जी नेशनल इण्डियन कांग्रेस की स्थापना की। पहली बार सत्याग्रह के शस्त्र का प्रयोग किया और विजय भी पाई। इस प्रकार सन् 1914–15 में गांधी जब दक्षिण अफ्रीका से वापिस भारत लौटे, तब तक इन विचारों और जीवन–व्यवहारों में आमूल–चूल परिवर्तन आ चुका था। भारत लौटकर कुछ दिन गांधी जी देश का भ्रमण कर वास्तविक स्थिति का जायजा लेते रहे। फिर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जैसी संस्था को पूर्ण स्वतंत्रता का लक्ष्य देकर संघर्ष में कूद पड़े। क्योंकि प्रथम विश्वयुद्ध में वचन देकर भी अंग्रेज सरकार ने भारतीयों के प्रति अपने रवये में कोई परिवर्तन नहीं किया था, इससे गांधी जी और भी चिढ़ गए और अंग्रेजी कानूनों का बहिष्कार और सत्याग्रह का बिगुल बजा दिया। भारतवासियों के मानवाधिकारों का हनन करने वाले रोलट एक्ट का स्थान–स्थान पर विरोध–बहिष्कार होने लगा। सन 1919 में जलियां–वाला बाग में हो रही विरोध–सभा पर हुए अत्याचार ने गांधी जी की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। सो अब ये समूचे स्वतंत्रता आंदोलन की बागडोर सम्हाल खुलम–खुला संघर्ष में कूद पड़े। इनका संकेत पाते ही सारे देश में विरोधी आंदोलनों की एक

मोहनदास करमचंद गांधी (2 अक्तूबर 1869 – 30 जनवरी 1948) भारत एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेता थे। वे सत्याग्रह – व्यापक सविनय अवज्ञा के माध्यम से अत्याचार के प्रतिकार के अग्रणी नेता थे, उनकी इस अवधारणा की नींव संपूर्ण अहिंसा पर रखी गई थी जिसने भारत को आजादी दिलाकर पूरी दुनिया में जनता के नागरिक अधिकारों एवं स्वतंत्रता के प्रति आंदोलन के लिए प्रेरित किया।उन्हें दुनिया में आम जनता महात्मा गांधी के नाम से जानती है। संस्कृत- महात्मा अथवा महान आत्मा एक सम्मान सूचक शब्द जिसे सबसे पहले रवीन्द्रनाथ टैगोर ने प्रयोग किया और भारत में उन्हें बापू के नाम से भी याद किया जाता है। उन्हें सरकारी तौर पर राष्ट्रपिता का सम्मान दिया गया है 2 अक्टूबर को उनके जन्म दिन राष्ट्रीय पर्व गांधी जयंती के नाम से मनाया जाता है और दुनियाभर में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के नाम से मनाया जाता है। सबसे पहले गांधी ने रोजगार अहिंसक सविनय अवज्ञा प्रवासी वकील के रूप में दक्षिण अफ्रीका, में भारतीय समुदाय के लोगों के नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष हेतु प्रयुक्त किया। 1915 में उनकी वापसी के बाद उन्होंने भारत में किसानों , कृषि मजदूरों और शहरी श्रमिकों को अत्याधिक भूमि कर और भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए एकजुट किया। 1921 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बागडोर संभालने के बाद गांधी जी ने देशभर में गरीबी से राहत दिलाने, महिलाओं के अधिकारों का विस्तार, धार्मिक एवं जातीय एकता का निर्माण, आत्म-निर्भरता के लिए अस्पृश्यता का अंत आदि के लिए बहुत से आंदोलन चलाए। किंतु इन सबसे अधिक विदेशी राज से मुक्ति दिलाने वाले स्वराज की प्राप्ति उनका प्रमुख लक्ष्य था। गांधी जी ने ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों पर लगाए गए नमक कर के विरोध में 1930 में दांडी मार्च और इसके बाद 1942 में , ब्रिटिश भारत छोड़ो आन्दोलन छेडकर भारतीयों का नेतृत्व कर प्रसिद्ध प्राप्त की। दक्षिण अफ्रीका और भारत में विभिन्न अवसरों पर कई वर्षों तक उन्हें जेल में रहना पड़ा। गांधी जी ने सभी परिस्थितियों में अहिंसा और सत्य का पालन किया और सभी को इनका पालन करने के लिए वकालत भी की। उन्होंने आत्म-निर्भरता वाले आवासीय समुदाय में अपना जीवन गुजारा किया और परंपरागत भारतीय पोशाक धोती और सूत से बनी शॉल पहनी जिसे उसने स्वयं ने चरखे पर सूत कात कर हाथ से बनाया था। उन्होंने सादा शाकाहारी भोजन खाया और आत्मशुद्धि तथा सामाजिक प्रतिकार दोनों के लिए लंबे-लंबे उपवास भी किए।

गांधी दक्षिण अफ्रीका में (1895)

दक्षिण अफ्रीका में गान्धी को भारतीयों पर भेदभाव का सामना करना पड़ा। आरम्भ में उन्हें प्रथम श्रेणी कोच की वीथ टिकट होने के बाद तीसरी श्रेणी के डिब्बे में जाने से इन्कार करने के लिए ट्रेन से बाहर फेंक दिया गया था। इतना ही नहीं पायदान पर शेष यात्रा करने हुए एक यूरोपियन यात्री के अन्दर आने पर चालक की मार भी झेलनी पड़ी। उन्होंने अपनी इस यात्रा में अन्य भी कई कठिनाइयों का सामना किया। अफ्रीका में कई होटलों को उनके लिए वर्जित कर दिया गया। इसी तरह ही बहुत सी घटनाओं में से एक यह भी थी जिसमें अदालत के न्यायाधीश ने उन्हें अपनी पुगड़ी उतारने का आदेश दिया था जिसे उन्होंने नहीं माना। ये सारी घटनाएँ गान्धी के जीवन में एक मोड़ बन गईं और विद्यमान सामाजिक अन्याय के प्रति जागरुकता का कारण बनीं तथा सामाजिक सक्रियता की व्याख्या करने में मददगार सिद्ध हुईं। दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों पर हो रहे अन्याय को देखते हुए गान्धी ने अंग्रेजी साम्राज्य के अन्तर्गत अपने देशवासियों के सम्मान तथा देश में स्वयं अपनी स्थिति के लिए प्रश्न उठाये।

1906 के जुलु युद्ध में भूमिका

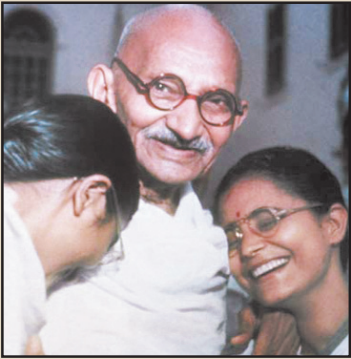
1906 में, दक्षिण अफ्रीका में नए चुनाव कर के लागू करने के बाद दो अंग्रेज अधिकारियों को मार डाला गया। बदले में अंग्रेजों ने जूलू के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। गांधी जी ने भारतीयों को भर्ती करने के लिए ब्रिटिश अधिकारियों को सक्रिय रूप से प्रेरित किया। उनका तर्क था अपनी नागरिकता के दावों को कानूनी जामा पहनाने के लिए भारतीयों को युद्ध प्रयासों में सहयोग देना चाहिए। तथापि, अंग्रेजों ने अपनी सेना में भारतीयों को पद देने से इंकार कर दिया था। इसके बावजूद उन्होंने गांधी जी के इस प्रस्ताव को मान लिया कि भारतीय घायल अंग्रेज सैनिकों को उपचार के लिए स्ट्रेचर पर लाने के लिए स्वैच्छ पूर्वक कार्य कर सकते हैं। इस कार्य की बागडोर गांधी ने थामी। 21 जुलाई 1906 को गांधी जी ने इंडियन ओपिनिय में लिखा कि 23 भारतीय निवासियों के विरुद्ध चलाए गए आप्रेशन के संबंध में प्रयोग द्वारा नेटाल सरकार के कहने पर एक कोर का गठन किया गया है। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों से इंडियन ओपिनियन में अपने कॉलमों के माध्यम से इस युद्ध में शामिल होने के लिए आग्रह किया और कहा, यदि सरकार केवल यही महसूस करती है कि आरक्षित बल बेकार हो रहे हैं तब वे इसका उपयोग करेंगे और असली लड़ाई के लिए भारतीयों का प्रशिक्षण देकर इसका अवसर देंगे।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए संघर्ष

1915 में, गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत में रहने के लिए लौट आएँ।उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशनों पर अपने विचार व्यक्त किए, लेकिन वे भारत के मुख्य मूद्दे, राजनीति तथा उस समय के कांग्रेस दल के प्रमुख भारतीय नेता गोपाल कृष्ण गोखले जो एक सम्मानित नेता थे पर ही आधारित थे। चंारण और खेड़ा – गांधी की पहली बड़ी उपलब्धि 1918 में चम्पारन और खेड़ा सत्याग्रह, आंदोलन में मिली हालांकि अपने निर्वाह के लिए जरूरी खाद्य फसलों की बजाए नकद पैसा देने वाली खाद्य फसलों की खेती वाले आंदोलन भी महत्वपूर्ण रहे। जमींदारों (अधिकांश अंग्रेज) की ताकत से दमन हुए भारतीयों को नाममात्र भरपाई भत्ता दिया गया जिससे वे अत्यधिक गरीबी से घिर गए। गांवों को बुरी तरह गंद और अस्वास्थ्यकर और शराब, अस्पृश्यता और पर्दा से बांध दिया गया। अतः एक विनाशकारी अकाल के कारण शाही कोष की भरपाई के लिए अंग्रेजों ने दमनकारी कर लगा दिए जिनका बोझ दिन प्रतिदिन बढ़ता ही गया। यह स्थिति निराशाजनक थी। खेड़ा, गुजरात में भी यही समस्या थी। गांधी जी ने वहां एक आश्रम बनाया जहाँ उनें बहुत सारे समर्थकों और नए स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं को संगठित किया गया। उन्होंने गांवों का एक विस्तृत अध्ययन और सर्वेक्षण किया जिसमें प्राणियों पर हुए अत्याचार के भयानक कांडों का लेखाजोखा रखा गया और इसमें लोगों की अनुत्पादकीय सामान्य अवस्था को भी शामिल किया गया था। ग्रामीणों में विवादास्पद पैदा करते हुए उन्होंने अपना कार्य गांवों की सफाई करने से आरंभ किया जिसके अंतर्गत स्कूल और अस्पताल बनाए गए और उपरोक्त वर्णित बहुत सी सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने के लिए ग्रामीण नेतृत्व प्रेरित किया।

असहयोग आन्दोलन – गांधी जी ने असहयोग, अहिंसा तथा शांतिपूर्ण प्रतिकार को अंग्रेजों के खिलाफ शस्त्र के रूप में उपयोग किया। पंजाब में अंग्रेजी फौजों द्वारा भारतीयों पर जलियावाला नरसंहार जिसे अमृतसर नरसंहार के नाम से भी जाना जाता है ने देश को भारी आघात पहुंचाया जिससे जनता में क्रोध और हिंसा की ज्वाला भड़क उठी। गांधीजी ने ब्रिटिश राज तथा भारतीयों द्वारा प्रतिकारात्मक रवैया दोनों की की। उन्होंने ब्रिटिश नागरिकों तथा दंगों के शिकार लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा पार्टी के आरंभिक विरोध के बाद दंगों की भर्त्सना की। गांधी जी के भावनात्मक भाषण के बाद अपने सिद्धांत की वकालत की कि सभी हिंसा और बुराई को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। किंतु ऐसा इस नरसंहार और उसके बाद हुई हिंसा से गांधी जी ने अपना मन संपूर्ण सरकार आर भारतीय सरकार के कब्जे वाली संस्थाओं पर संपूर्ण नियंत्रण लाने पर केंद्रित था जो जल्दी ही स्वराज अथवा संपूर्ण व्यक्तिगत, आध्यात्मिक एवं राजनैतिक आजादी में बदलने वाला था।

स्वराज और नमक सत्याग्रह – गांधी जी सक्रिय राजनीति से दूर ही रहे और 1920 की अधिकांश अवधि तक वे स्वराज पार्टी और इंडियन नेशनल कांग्रेस के बीच खाई को भरने में लगे रहे और इसके अतिरिक्त वे अस्पृश्यता , शराब, अज्ञानता और गरीबी के खिलाफ आंदोलन छेड़ते भी रहे। उन्होंने पहले 1928 में लौटे एक साल पहले अंग्रेजी सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में एक नया संवैधानिक सुधार आयोग बनाया जिसमें एक भी सदस्य भारतीय नहीं था। इसका परिणाम भारतीय राजनैतिक दलों द्वारा बहिष्कार निकला। दिसंबर 1928 में गांधी जी ने कलकता में आयोजित कांग्रेस के एक अधिवेशन में एक प्रस्ताव रखा जिसमें भारतीय साम्राज्य को सत्ता प्रदान करने के लिए कहा



खादी को महत्व देना, सर्वधर्म–समन्वय और विशेषकर हिन्दू–मुस्लिम एकता के लिए प्रचार इनके द्वारा आरंभ किए गए अन्य प्रमुख सामाजिक सुधारात्मक कार्य माने गए हैं। इस प्रकार के स्वतंत्रता दिलाने वाले प्रयासों के लिए अक्सर बीच–बीच में इन्हें जेलयात्रा भी करनी पड़ती। सन 1931 में इंग्लैंड में संपन्न गोलमेज कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए गांधी जी वहां गए, पर जब इनकी इच्छा के विरुद्ध हरिजनों को निर्वाचन का विशेषाधिकार हिन्दुओं से अलग करके दे दिया, तो भारत लौटकर गांधी जी ने पुनः आंदोलन आरंभ कर दिया। बंदी बनाए जाने पर जब ये अनशन करने लगे, तो सारा देश क्षुब्ध हो उठा। फाततः ब्रिटिश सरकार को गांधी जी के मतानुसार हरिजनों का पृथक निर्वाचनाधिकार का हट छोड़ना पड़ा।

एशियाई खेल : अभिषेक के गोल से भारत ने पाकिस्तान को हराकर पुरुष हॉकी के फाइनल में प्रवेश किया

नगोया (एजेंसी)। भारतीय टीम ने एशियाई खेलों के पुरुष हॉकी के सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक सेमीफाइन मुकाबले में 4-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। अंतिम क्षणों में अभिषेक ने गोल दागकर भारतीय टीम को जीत दिलायी। मैच में 59 मिनट तक स्कोर 3-3 की बराबरी पर था पर 60वें मिनट में अभिषेक ने गोल कर भारतीय टीम को 4-3 से जीत के साथ ही खिताबी मुकाबल में पहुंच दिया।/ वहीं पाक टीम बाहर हो गयी। भारतीय टीम ने शुरु आत से ही आक्रामक रुख अपनाया। पहले क्वार्टर में ही भारतीय टीम को 2-0 की बढ़त मिल

गयी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल दागे। हरमनप्रीत ने 5वें मिनट पर पहला गोल और 13वें मिनट पर दूसरा गोल किया। इसके बाद पाकिस्तान ने भी पलटवार करते हुए दूसरे हाफ में एक गोल कर दिया। जिसका जवाब भारतीय टीम ने भी एक गोल कर दिया। भारत के लिए ये तीसरा गोल सुखजीत सिंह ने 23वें मिनट पर गोल किया। वहीं पाकिस्तान के लिए 30वें मिनट में अबू मोहम्मद ने पहला गोल दागा। इस प्रकार दो क्वार्टर के बाद भारत की बढ़त 3-1 हो गयी। .

तीसरे क्वार्टर में पाक टीम ने एक गोल किया। तीन क्वार्टर समाप्त होने के बाद स्कोर 3-2 पर पहुंच

गया। तीन क्वार्टर के बाद भारत की बढ़त घटकर 3-2 रह गयी। 49वें मिनट पर पाकिस्तान की ओर से वहीद राणा ने तीसरा गोल करके स्कोर 3-3 की बराबरी पर ला दिया। मुकाबले में केवल 11 मिनट बाकी रह गए थे। ऐसे में दोनों ही टीमों ने गोल करने के लिए प्रयास शुरु कर दिये पर कोई भी सफल होती नहीं दिखी। 60वें मिनट पर अभिषेक ने एक गोल कर भारतीय टीम को 4-3 की बढ़त के साथ जीत दिला दी।

अब फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा।



एशियाई खेलों में भारत के मनु और प्रिंस ने पुरुषों के स्किफ इवेंट में रजत जीता



गामागोरि सिटी (एजेंसी)। भारत के मनु फासिस और प्रिंस कूरिसिकल नोबल की जोड़ी ने एशियाई खेलों की नौकायन के स्किफ इवेंट में रजत पदक जीता है। गुरुवार को यहां हुए पुरुषों के स्किफ इवेंट में मनु और प्रिंस ने ये रजत पदक जीता। नौ रस के बाद भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान रही। पहला स्थान चीन की जोड़ी को मिला। भारतीय जोड़ी ने 23 अंकों के साथ रमाया (सेलिंग प्रतियोगिता) का समापन किया। चीन की जोड़ी, वेन जाइडिंग और लियू तियान ने 16 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। ये भारतीय जोड़ी से चार अंक कम थे। वहीं हांगकांग, चीन के अकीरा ल्यूक सकाई और रसेल आयल्सवर्थ 24 अंकों के साथ तीसरे

एशियाई खेल: भारत के गणेश मणि रत्नम ने पुरुषों की कंपाउंड त्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता

ओकाजाकी (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाज गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने यहां एशियाई खेलों की कंपाउंड तीरंदाजी में पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है। गणेश के इस पदक के साथ ही तीरंदाजी में भार के पदकों की संख्या बढ़कर संख्या चार पहुंच गयी गई है। गणेश ने वियतनाम के कांग डुक डांग को 149-144 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। गणेश ने अच्छ प्रदर्शन करते हुए 14 बार 10 का स्कोर किया और लगातार तीन बार 10 के साथ 149 का स्कोर बनाकर अपने प्रतिद्वंद्वी पर बढ़त बना ली। आइची-नागोया में यह उनका



दूसरा पदक है। इससे पहले बुधवार को उन्होंने पुरुषों की टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीता था।

अशरीफाह के हाथों 144-143 के करीबी अंतर से हारकर महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा से बाहर हो गयीं।

चिकित्था शुरुआती दो राउंड में चिकित्था पीछे थीं, लेकिन तीसरे राउंड में उन्होंने वापसी करते हुए बढ़त बना ली पर अंतिम राउंड में 8, 9, 10 का स्कोर भारी पड़ा, क्योंकि नुरिसा ने 10, 10, 9 का स्कोर कर मुकाबला जीत लिया।

चिकित्था ने महिलाओं की टीम इवेंट में स्वर्ण और मिश्रित टीम का खिताब जीतने के साथ-साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक कोटा भी हासिल किया।

भारतीय महिला स्काश टीम ने जीता कांस्य, सेमीफाइनल में हांगकांग से मिली हार

नागोया (एजेंसी)। भारतीय महिला स्काश टीम ने एशियाई खेल 2026 में कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है। नागोया में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में भारत को हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत का फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया, लेकिन टीम ने कांस्य पदक के साथ अपने अभियान का अंत किया।

अनाहत सिंह की हार से भारत को झटका

भारत की ओर से पहला मुकाबला 18 वर्षीय अनाहत सिंह ने खेला। उन पर काफी जिम्मेदारी थी, क्योंकि भारत की नजरे पिछले हांगझौउ एशियाई खेलों के प्रदर्शन में सुधार

करने पर थीं। विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर मौजूद अनाहत का सामना दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी सिन युक् चान से हुआ।

अनाहत ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम अपने नाम किए। हालांकि वह चौथे गेम में 10-6 की बढ़त के बावजूद चार मैच ख्वाइंट गंवा बैठीं। सिन ने वापसी करते हुए मुकाबला निर्णायक पांचवें गेम तक पहुंचा दिया।

पांचवें गेम में अनाहत 7-9 से पीछे थीं, लेकिन उन्होंने लगातार अंक हासिल करते हुए स्कोर 9-9 कर दिया। इसके बाद सिन ने पहला मैच ख्वाइंट हासिल किया। अनाहत ने बैकहैंड ड्रॉप से इसे बचाया, लेकिन सिन ने एक और मैच

ख्वाइंट हासिल किया और इस बार मुकाबला अपने नाम कर लिया। अनाहत को 2-3 (11-9, 11-8, 6-11, 11-13, 10-12) से हार मिली।

तन्वी खन्ना ने की शानदार वापसी

पहले मुकाबले में हार के बाद तन्वी खन्ना ने भारत की उम्मीदें जीवित रखीं। दुनिया की 73वें नंबर की तन्वी का सामना 40वें नंबर की का यी ली से हुआ। शुरुआत में भारतीय खिलाड़ी को परेशानी हुई और उन्होंने पहला गेम 4-11 से गंवा दिया। दूसरे गेम में तन्वी ने लंबी रैलियों के जरिए वापसी की। उन्होंने 10-9 पर गेम ख्वाइंट हासिल किया, लेकिन ली ने बैकहैंड ड्रॉप के जरिए स्कोर बराबर कर दिया।

गुवाहाटी की पिच पर भड़के गंभीर, ये खेल नहीं मजाक था

गुवाहाटी । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने यहां के बरसातपार क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर सवाल उठाये हैं। गंभीर ने कहा कि जिस प्रकार यहां 400 से अधिक रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल हो गया। उससे ये क्रिकेट कम मजाक अधिक नजर आया। इसे खेल कहना है उसका अपमान करने जैसा है। सपाट पिच पर बल्लेबाजों ने रनों की होली खेली, जबकि गेंदबाजों का जमकर मजाक बना । पहले वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी करते हुए अपने एकदिवसीय इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर 405 रन बनाया। उसके बाद भारतीय टीम ने 39 गेंदें पहले ही ये लक्ष्य आसानी से हासिल कर मैच जीत लिया। ये एकदिवसीय इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य रहा । इससे खुश होने की जगह पर गंभीर

नाराज अधिक हो गये । वहीं भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच के बाद कहा कि ये क्रिकेट नहीं मजाक था । गंभीर के शब्दों में, मैं बल्ले और गेंद के बीच और ज्यादा मुकाबला देखना चाहता हूँ। ऐसी मैच प्रसारकों के लिए, रिकॉर्डर्स के लिए और प्रशंसकों के लिए तो बढ़िया हो सकते हैं, लेकिन क्रिकेट के लिए बिलकल नहीं। आपको बल्ले और गेंद के बीच एक संतुलन बनाना होगा। गेंदबाजों के बारे में भी सोचना चाहिए, उन्हें कुछ समर्थन देने की जरूरत है। ऐसी सपाट पिच से मैच पूरी तरह एकतरफा हो जाता है, जो क्रिकेट की प्रतिद्वंद्विता के लिए बंदह खराब है। वहीं दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसक भी सोशल मीडिया पर इस तरह के सपाट विकेट को लेकर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। एक प्रशंसक ने लिखा, ‘गुवाहाटी को अहम क्रिकेट मैच कौन देता है? घंटिया एकदिवसीय पिच, घंटिया टेस्ट पिच। बेकार सा मैदान। लाइट की समस्याएँ। पान बहार के दिवाणामें। सब कुछ बहुत ही भदा’ । यह गुस्सा पूरी तरह से गलत है, क्योंकि जब शेंड्यूलिंग, पिच व्यूरेजर और स्कॉड सिलेक्शन जैसे हर फैसले स्टेकहोल्डर्स या पेशों की वजह से होने लगे, तो क्रिकेट का मूल स्वरूप पीछे रहन तय है। तिरुवनन्तपुरम और अब गुवाहाटी, दोनों ही जगहों पर गेंदबाजी संघर्ष करती दिखी ऐसी पिचें खेल के रोमांच को खत्म करती हैं और खिलाड़ियों की क्षमताओं का सही आकलन नहीं होने देती।

भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका को हराकर एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंची

स्वर्ण पदक के लिए शनिवार को पाकिस्तान से होगा मुकाबला

निशिन (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट ने यहां एशियाई खेलों में हुए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका को 124 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। अब भारतीय टीम स्वर्ण जीतने के लिए 3 अक्टूबर को फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगी। ये खिताबी मुकाबला भारतीय समय के अनुसार सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इसमें भारतीय टीम अपना खिताब बरकरार रखने उतरेगी।

वहीं श्रीलंका के खिलाफ हुए सेमीफाइनल में भारतीय टीम को जीत में ईशान किशन की अहम भूमिका रही। ईशान ने तेजी से 80 रन की पारी खेलकर भारतीय टीम को एक अच्छे स्कोर तक

पहुंचाया। वहीं गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को आसानी से रोक दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 169 रन बनाए । इस प्रकार श्रीलंका को जीत के लिए 170 रनों का लक्ष्य मिला जिसका पीछा करते हुए लंकाई टीम 9.5 ओवर में केवल 45 रंों पर ही सिमट गयी।

टॉस जीतकर श्रीलंका ने भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज अभिषेक गमां 7 रन पर ही आउट हो गये। वहीं वैभव सूर्यवंशी ने 6 चौके और 2 छक्के लगाकर 38 रन बनाए। बाकी सभी बल्लेबाज फ्लॉप रहे। संजू

सैमसन ने 07 रन, तिलक वर्मा ने 02 रन, अक्षर पटेल ने 08 रन, शिवम दुबे ने 03 रन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने 13 रन बनाए।

ऐसे मुश्किल समय में ईशान ने 46 गेंदों में 4 चौके और 5 छक्के लगाकर 80 रन की शानदार पारी खेली। अंत में वॉशिंग्टन सुंदर ने एक छक्का लगाकर भारत को 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 169 रनों तक पहुंचाया। इसके बाद 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पारी के शुरुआती ओवर में ही दो विकेट लेकर श्रीलंका को दबाव में ला दिया। उन्होंने सिनेथ जयवर्धना को एलबीडब्ल्यू आउट किया,



जबकि सोहन डी लिवेरा का शानदार कैच संजू सैमसन ने पकड़ा। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने एकजुट प्रदर्शन करते हुए श्रीलंकाई बल्लेबाजों को सभलने का कोई मौका नहीं दिया और उन्हें लक्ष्य से 124 रन दूर ही रोक दिया। यह भारत की एकतरफा

प्रसिद्ध कृष्णा हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण तीसरे एकदिवसीय से बाहर हुए



गुवाहाटी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा चोटिल होने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को होने वाले तीसरे एकदिवसीय से बाहर हो गये हैं। कृष्णा दूसरे एकदिवसीय में हैमस्ट्रिंग इंजरी का शिकार हो गये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, कृष्णा की चोट कितनी गंभीर है, इसका पता अभी नहीं चल सका है पर उन्हें कुछ समय तक बाहर होना होगा। इससे साफ है कि वह तीसरे एकदिवसीय में नहीं खेलेंगे। दूसरे

एकदिवसीय में कृष्णा ने केवल 5 ओवर ही गेंदबाजी की थी, जिसके बाद वह परेशानी में दिखे। इसी कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इसके बाद वह दोबारा गेंदबाजी करने नहीं लौटे थे। पांच ओवर में कृष्णा ने 45 रन देकर एक विकेट लिया। भारतीय टीम तीसरे एकदिवसीय के लिए गुवाहाटी से चंडीगढ़ खाना होगी। वहीं कृष्णा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जाएंगे, जहां उनकी रिकवरी की प्रक्रिय होगी।

रोहित एकदिवसीय क्रिकेट में 12,000 रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बने

गुवाहाटी । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने यहां वेस्टइंडीज के बीच दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में अपने 12000 रन पूरे कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस प्रकार वह इस आंकड़े तक पहुंचने वाले विश्व के केवल सातवें और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर तथा विराट कोहली के बाद तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं।

रोहित ने स्पिनर रोस्टन चेज की गेंद पर एक रन लेकर यह मील का पत्थर पार किया। इस प्रतिष्ठित एलीट वलब में रोहित के साथ सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉटिंग, श्रीलंका के कुमार संगाकारा, सनथ जयसूर्या और मेहला जयवर्धने जैसे दिग्गज शामिल हैं। आंकड़ों के लिाहज से रोहित 12,000 एकदिवसीय रनों तक पहुंचने वाले विश्व के दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 282 पारियां खेलीं, वह केवल विराट कोहली (242 पारियां) से ही पीछे हैं। रोहित ने महान सचिन तेंदुलकर (300 पारी) और रिकी पॉटिंग (314 पारी) जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़कर अपनी बल्लेबाजी कोशल का प्रदर्शन किया है। गेंदों का सामना करने के मामले में भी, रोहित दूसरे सबसे तेज हैं, जिन्होंने 12,973 गेंदों में यह आंकड़ा छुआ, जो फिर से कोहली (12,853 गेंदें) के बाद सबसे तेज है।

साल 2007 में अपने वनडे करियर का आगाज करने वाले रोहित शर्मा का अब तक का सफर शानदार रहा है। अपने 290 मैचों के करियर में, उन्होंने 12 हजार से अधिक रन बनाने के साथ-साथ 35 शानदार शतक और 62 अर्धशतक भी जड़े हैं। उनके नाम इस प्रारूप का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर (264 रन) दर्ज है, और वह एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में तीन दोहरे शतक लगाने वाले दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं।

एशियाई खेल : भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान से हारकर बाहर हुई

ओकाजाकी । एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम का पदक जीतने का सपना टूट गया है।इसका कारण ये है कि भारतीय टीम को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के हाथों सीधे सेटों में हार झेलनी पड़ी है। यहां के सार्गे पागो जिम्मेजियम में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 25-19, 25-23, 25-18 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस प्रकार से पाक वॉलीबॉल टीम 64 साल में पहली बार एशियाई खेलों में शीर्ष चार में पहुंची है।

इस मुकाबले में दोनों के बीच बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहाँ स्कोर 11-11 की बराबरी पर था। हालाँकि इसके बाद पाकिस्तान ने खेल पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। और लगातार पाँच अंक जीतकर 16-11 से बढ़त बना ली। जैसे-जैसे पहला सेट आगे बढ़ा, पाकिस्तान की बढ़त बढ़ती गई और अंततः उन्होंने इसे 25-19 से जीत लिया। वहीं दूसरे सेट में भारतीय टीम ने वापसी की कोशिश की और 19-16 की अच्छी बढ़त हासिल कर ली पर कुछ गलतियों के कारण वे इस बढ़त का लाभ नहीं ले पाये। वहीं दूसरी ओर पाक ने शानदार खेल दिखाते हुए वापसी की और दूसरा सेट 25-23 से जीतकर मुकाबले में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। वहीं तीसरे सेट में पाक ने भारतीय टीम को संभलने का कोई अवसर नहीं दिया और आसानी से यह सेट 25-18 से जीतकर मैच पर कब्जा कर लिया।

वहींहै इससे पहले, भारतीय टीम ने पूल सी में अपने प्रदर्शन से काफी प्रभावित किया था, जहाँ उन्होंने अपने तीनों लीग मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी थी। टीम ने अपने अभियान की शुरुआत वियतनाम पर 3-0 की प्रभावशाली जीत के साथ की थी और फिर हांगकांग चीन को भी इसी अंतर से हराया था। अपने अंतिम पूल मैच में, भारत को क्तर के खिलाफ कड़े संघर्ष का सामना करना पड़ा। शुरुआती दो सेट हारने के बाद भी टीम ने शानदार वापसी करते हुए 26-28, 25-27, 25-23, 25-20, 24-22 के स्कोर के साथ 3-2 से रोमांचक जीत हासिल की थी। इस जीत ने भारतीय टीम को पूल सी में शीर्ष स्थान पर पहुंचाया था, जिससे क्वार्टर फाइनल में उनकी जगह पक्की हुई।

डब्ल्यूपीएल के लिए आरसीबी ने ग्रेस सहित चार खिलाड़ियों को बाहर किया

अरुंधति सहित 13 खिलाड़ियों को रखा बरकरार

मुम्बई । महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) के लिए नीलामी 28 अक्टूबर को कोच्चि में आयोजित की जाएगी। इसी को देखते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने ग्रेस हैरिस को रिलीज कर दिया है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैरिस ने 2026 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके बाद भी उन्हें टीम ने बरकरार नहीं रखा है। ग्रेस हैरिस के अलावा लिंसी स्मिथ, डी. हेमलता और गौतमी नायक को भी आरसीबी ने बाहर कर दिया है। । वहीं टीम ने 13 खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। इनमें अरुंधति रेड्डी, प्रत्युषा कुमार, ऋचा घोष, स्मृति मंधाना, प्रेमा रावत, सयाली सतघरे, पूजा वस्त्राकर, राधा यादव और श्रेया काटिल शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ियों में लॉरेन बेल, एलिस पेरी, नादिन डी वलर्क और जॉर्जिया वोल को टीम ने अपने साथ रखा है। दिग्गज ऑलराउंडर एलिस पेरी के इस सत्र में खेलने की उम्मीद है। वह पिछले सत्र में शामिल नहीं थीं। आरसीबी ने उन्हें टीम में बरकरार रखा था। 12 बार की चैंपियन आरसीबी के पास नीलामी के लिए 1.15 करोड़ रुपये का पर्स बाब है और उसे 5 खिलाड़ियों की जगह भरनी है। इनमें 2 विदेशी खिलाड़ियों के लिए जगह है। ऐसे में वह कई नये खिलाड़ियों को खरीद सकती है। वहीं गुजरात जायंट्स ने 15 खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। टीम ने केवल 4 खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इनमें इस साल महिला टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली डेनी वायट-हॉज भी शामिल हैं। उनके अलावा आयुषी सोनी, तितास साधु और शिवानी सिंह को रिलीज किया गया है। गुजरात के पास 1.25 करोड़ रुपये का पर्स है और टीम को 3 खिलाड़ियों की जगह भरनी है। इनमें 1 विदेशी खिलाड़ी के लिए स्थान है।



गोविंदा पहुंचे महाकाल के दरबार

फिल्म अभिनेता गोविंदा उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर में पहुंचने पर उन्होंने भगवान महाकाल के चरणों में दंडवत प्रणाम किया और अपने बच्चों व परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। गोविंदा ने बाबा महाकाल की आराधना के दौरान वैदिक मंत्रों का जाप भी किया। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की कि सभी लोगों पर उनकी कृपा बनी रहे और जीवन में आने वाली परेशानियां, कष्ट और बाधाएं दूर हों। दर्शन के बाद अभिनेता गोविंदा ने कहा कि उन्होंने बाबा महाकाल से सभी के कल्याण की कामना की है। उन्होंने प्रार्थना की कि भगवान महाकाल सभी के जीवन से दुख, गरीबी, कष्ट और रोग दूर करें और हर व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति बनी रहे। महाकाल मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद गोविंदा ने श्रद्धा के साथ 'हर हर महादेव' और 'जय महाकाल' के जयकारे भी लगाए। मंदिर परिसर में अभिनेता की मौजूदगी को लेकर श्रद्धालुओं में भी उत्साह नजर आया।



अपने विचारों को साझा किया दीया मिर्ज़ा ने

बॉलीवुड अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्ज़ा ने अपने बेटे अयान आज़ाद रेखी की परवरिश को लेकर अपने विचारों को साझा किया है। वह चाहती हैं कि उनके बेटे को कम उम्र से ही सहानुभूति, दयालुता और दूसरों की सीमाओं के सम्मान का महत्व सिखाया जाए, ताकि लड़कियों के लिए एक सुरक्षित और समान समाज का निर्माण हो सके। दीया मिर्ज़ा ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि बच्चों को सहमति का सही अर्थ समझाना जरूरी है। उनके अनुसार, सहमति सिर्फ न कहने से इनकार करना नहीं है, बल्कि बेचैनी के सूक्ष्म संकेतों को पहचानना और व्यक्तिगत सीमाओं का आदर करना भी है। उन्होंने कहा कि सहमति एक सक्रिय और स्वेच्छा से दी गई हौं होनी चाहिए, न कि केवल न की अनुपस्थिति। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि किसी को भी अपना ध्यान, स्नेह या निकटता देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता, और अस्वीकृति को अपमान या चुनौती देने वाली बात के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।



पेरिस फैशन वीक में ऐश्वर्या का रॉयल लुक

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने पेरिस फैशन वीक में अपनी शानदार मौजूदगी से एक बार फिर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। देवदास फेम अभिनेत्री ने कोर्सेट वाले काले मखमली फिशटेल गाउन, क्रिस्टल जड़े केप और रत्नों से जड़े टियारा के साथ रैंप वॉक किया, जिससे प्रशंसक उनकी सुंदरता के कायल हो गए। उनके ड्यूई मेकअप और सिग्नेचर रेड लिपस्टिक ने उनके पूरे लुक में चार चांद लगा दिए। शो की कई तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन सामने आए हैं, जिनमें उनकी रॉयल अपीयरेंस साफ दिख रही है। शो से पहले रिहर्सल के दौरान, पेरिस फैशन वीक में लॉरियल का प्रतिनिधित्व करने वाली ऐश्वर्या कई अन्य मशहूर हस्तियों से मिलीं। सिमोन एशले के साथ बातचीत करने और प्यार से उनका हाथ थामने का एक पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वह अपनी पुरानी दोस्त ईवा लोगोरिया से भी मिलीं।



बचपन से ही संगीत के माहौल में पली- बढ़ी है मुनमुन दत्ता

अभिनेत्री मुनमुन दत्ता का अभिनय करियर शुरू होने से काफी पहले ही कला और मंच से जुड़ाव हो गया था। टेलीविजन धारावाहिक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाली मुनमुन दत्ता बचपन से संगीत के माहौल में पली-बढ़ी मुनमुन ने कम उम्र में ही मंच पर गाना शुरू कर दिया था। उस समय उनकी उम्र महज सात वर्ष थी और उन्होंने गाना गाकर 125 रुपये कमाए थे। 28 सितंबर 1987 को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में जन्मी मुनमुन का परिवार संगीत से जुड़ा हुआ था। इसी वजह से बचपन से ही उन्हें संगीत और प्रदर्शन कला के माहौल में रहने का अवसर मिला। उन्होंने स्कूल और स्थानीय कार्यक्रमों में गाना शुरू किया। बाद में उन्होंने बताया था कि वह आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए भी बाल गायिका के तौर पर कार्यक्रम कर चुकी थीं। मुनमुन के मुताबिक, ऑल इंडिया रेडियो के लिए गाना गाने पर उन्हें सात वर्ष की उम्र में 125 रुपये की पहली कमाई हुई थी। इतनी कम उम्र में अपने काम के बदले पैसे मिलना उनके लिए

खास अनुभव था। उन्होंने अपनी पहली कमाई अपनी मां को दे दी थी। उस समय शायद उन्होंने यह नहीं सोचा होगा कि भविष्य में वह टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल होंगी। संगीत से जुड़े रहने के साथ मुनमुन ने अपनी पढ़ाई भी जारी रखी। आगे की शिक्षा के लिए वह पुणे चली गईं। इसी दौरान उनका रुझान मॉडलिंग और फैशन शो की तरफ बढ़ा। उन्होंने विभिन्न फैशन कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और अभिनय के अवसर तलाशने के लिए मुंबई का रुख किया। शुरुआती दिनों में उन्हें काम पाने के लिए संघर्ष भी करना पड़ा। मुनमुन का अभिनय करियर वर्ष 2004 में शुरू हुआ, जब उन्हें जी टीवी के धारावाहिक 'हम सब बाराती' में काम करने का अवसर मिला। उस समय वह कॉलेज में पढ़ रही थीं और यह उनका शुरुआती अभिनय अनुभव था। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और विज्ञापनों में भी काम किया। फिल्मों में उन्होंने कमल हासन की 'मुंबई एक्सप्रेस' और 'हॉलिडे' में काम किया, लेकिन उन्हें सबसे बड़ी पहचान टेलीविजन से मिली।



शो मुसाफिरी से खुलेगा मुंबई का अनदेखा इतिहास

एक रोमांचक नॉन-फिक्शन ट्रैवल सीरीज मुसाफिरी के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा दर्शकों के सामने आ रही हैं। सीरीज में मुंबई शहर के गहन इतिहास, उसके विविध समुदायों, छिपी हुई कहानियों और उन कम चर्चित जगहों को दिखाया जाएगा, जिनके बारे में अक्सर लोग अंजान होते हैं। सीरीज का पहला एपिसोड जल्द रिलीज हो रहा है। मुसाफिरी मुंबई को एक नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने का वादा करती है। पहले एपिसोड में दर्शकों को मुंबई के समृद्ध इतिहास, उसकी विशिष्ट संस्कृति और कुछ सबसे हैरान कर देने वाले राजों से रूबरू कराया जाएगा। एपिसोड में एक अनोखा कनेक्शन भी बताया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय सेलिब्रिटी किम कार्दशियन और दक्षिण मुंबई के सबसे मशहूर इलाकों में से एक, काला घोड़ा के बीच मौजूद है, जो निश्चित रूप से दर्शकों को आश्चर्यचकित करेगा। ऋचा ने खुद भी मुंबई के गहरे कोनों को एक्सप्लोर किया है और शहर के देवी-देवताओं से जुड़े दिलचस्प किस्से साझा किए हैं, जिनमें मां महालक्ष्मी भी शामिल हैं, जिन्हें मुंबई की संरक्षक देवी माना जाता है। अभिनेत्री का मानना है कि मुंबई शहर ऐसी अनगिनत कहानियों से भरा पड़ा है, जिनके बीच लोग बड़े होते हैं लेकिन कभी रुककर उन्हें गहराई से जानने की कोशिश नहीं करते। ऋचा चड्ढा ने कहा, मुंबई में इतनी सारी कहानियां हैं, जिनके बीच हम बड़े हुए हैं, लेकिन लोगों के साथ मैं इन्हें शेयर करना चाहती थी। उनकी यह पहल शहर के निवासियों को अपनी जड़ों और विरासत को फिर से खोजने का अवसर देगी। एपिसोड में दर्शकों को मुंबई के सबसे पुराने आर्मेनियाई चर्चों में से एक में भी ले जाया जाएगा, जो शहर की सांस्कृतिक विविधता का प्रमाण है। इसके साथ ही, गेटवे ऑफ इंडिया के इतिहास और इसे क्यों तथा किन परिस्थितियों में बनाया गया था, इसके बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। ऋचा चड्ढा को उम्मीद है कि जो लोग अपनी पूरी जिंदगी मुंबई में रहे हैं, वे भी इस शो के माध्यम से शहर को एक बिल्कुल अलग नजर से देखेंगे और उन्हें लगेगा जैसे वे एक नई मुंबई को खोज रहे हैं। मुसाफिरी का पहला एपिसोड आज शाम उनके यूट्यूब चैनल फुलस्टॉप पर उपलब्ध होगा। अभिनय के क्षेत्र में बात करें तो, ऋचा चड्ढा आखिरी बार संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित हिरामंडी-द डायमंड बाजार में देखी गई थी। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लाहौर के हीरा मंडी के रेड-लाइट एरिया पर बनी यह सीरीज ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के तहत तवायफों के जीवन और उनके राजनीतिक व व्यक्तिगत संघर्षों को दर्शाती है।



सलमान ने दिया मजेदार रिएक्शन

सलमान खान ने हाल ही में बिग बॉस 20 के लेटेस्ट एपिसोड में फैस को अपनी फिटनेस जर्नी की झलक दिखाई। एक्टर ने पिछले हफ्ते शर्टलेस दिखने के बारे में बात की और मजाक में कहा कि उन्होंने पूरी तरह फिट होने से पहले ही अपनी बॉडी दिखाने के लिए शर्ट उतार दी थी। लेटेस्ट वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान, सलमान ने अपने वायरल शर्टलेस मोमेंट के बारे में बात की और साफ किया कि वह कोई एकदम टोन-अप बॉडी नहीं दिखाना चाह रहे थे। इसके बजाय, उन्होंने कहा कि उनकी फिटनेस जर्नी अभी चल रही है और अपनी अगली फिल्म के लिए बॉडी पर काम करने के लिए उनके पास अभी एक-दो महीने का समय है। बिना सिवस-पैक के शर्टलेस होने का फैसला क्यों किया, इस बारे में बात करते हुए एक्टर ने कहा, जब शर्ट उतारा था मैंने, तो इसलिए उतारा था कि अभी 6-पैक नहीं है। सलमान ने आगे मजाक में कहा कि पूरी तरह फिट न होने के बावजूद लोगों को उनका लुक पसंद आया। उन्होंने यह भी बताया कि मनचाही शोप में आने में उन्हें अभी कुछ समय लगेगा। सलमान ने कहा, पता नहीं, उन्हें बॉडी अच्छी लगी। अभी नहीं है।

‘द ग्रेट इंडियन कपिल शो’ में अजय देवगन ने खींची कपिल की टांग

छोटे परदे का मशहूर कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में बॉलीवुड अजय देवगन अपनी आगामी फिल्म 'दृश्यम- द कंवलून' के प्रचार के लिए पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान कपिल शर्मा ने अजय देवगन की फिल्मों और गोवा से उनके जुड़ाव को लेकर मजाक किया, लेकिन अभिनेता ने भी उसी अंदाज में जवाब देते हुए कपिल की ही टांग खींच दी। कपिल शर्मा ने बातचीत के दौरान अजय देवगन से पूछा कि उनकी ज्यादातर फिल्मों की शूटिंग गोवा में क्यों होती है। उन्होंने 'गोलमाल', 'सिंघम' और 'दृश्यम' जैसी फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि अजय की कई फिल्मों का संबंध गोवा से रहा है। आगामी फिल्म 'दृश्यम- द

कंवलून' की भी अधिकांश शूटिंग गोवा में हुई है और फिल्म की कहानी का पृष्ठभूमि भी इसी स्थान से जुड़ी है। कपिल ने मजाकिया अंदाज में सवाल किया कि क्या अजय को वास्तव में गोवा खूबसूरत लगता है या फिर इसकी वजह वहां मिलने वाली फनी और पोपफ्ट मछली है। कपिल के सवाल का जवाब देते हुए अजय देवगन ने कहा कि गोवा उन्हें बहुत सुकून देने वाली जगह लगता है और उन्होंने स्पष्ट किया कि वह फनी नहीं पीते। इसके बाद कपिल ने फिर मजाक करते हुए कहा कि अगर अजय खुद फनी नहीं पीते तो क्या वह किसी और के लिए वहां से फनी नहीं ला सकते। कपिल के इस सवाल पर अजय देवगन ने तुरंत पलटवार किया और मजाकिया अंदाज में कहा कि फेनी ने कपिल की जिंदगी में पहले ही काफी गड़बड़ की है और उन्हें इसे याद रखना चाहिए। अजय के जवाब के बाद शो का माहौल और भी मजेदार हो गया। कार्यक्रम की जज अर्चना पूरण सिंह भी इस मजाक में शामिल होती नजर आईं। उन्होंने कपिल की टांग खींचते हुए कहा कि अगर उन्हें कोई चीज मुफ्त में मिल जाए तो वह उसे भी पी सकते हैं। 'दृश्यम- द कंवलून' अजय देवगन की चर्चित 'दृश्यम' श्रृंखला की अगली फिल्म है। फिल्म की पिछली कड़ियों की तरह इसमें भी गोवा की पृष्ठभूमि महत्वपूर्ण है। कपिल शर्मा के शो में फिल्म के प्रचार के दौरान अजय और कपिल की यह मजेदार बातचीत दर्शकों के लिए आकर्षण का हिस्सा

बन गई। बता दें कि अभिनेता अजय देवगन और कॉमेडियन कपिल शर्मा जब एक ही मंच पर नजर आते हैं तो बातचीत में हास्य और मजाक का सिलसिला शुरू होना तय माना जाता है।



TMC के चार बैंक खातों को ऑपरेट करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कलकत्ता हाईकोर्ट को जल्द सुनवाई के निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तुणमूल कांग्रेस को उन चार बैंक खातों को ऑपरेट करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया, जिन्हें पश्चिम बंगाल पुलिस ने साइबर क्राइम की शिकायत के बाद फ्रीज किया था। जस्टिस एमएम सुंदेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने कहा कि पार्टी के चुनाव चिह्न को चुनाव आयोग ने फ्रीज कर रखा है, जबकि बैंक खातों में मौजूद फंड के असली हकदार को लेकर मामला कलकत्ता हाईकोर्ट में लंबित है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगा। पीठ ने कहा कि वह संविधान के अनुच्छेद 136 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करने के पक्ष में नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट से मामले की सुनवाई में तेजी लाने का अनुरोध किया। हाईकोर्ट ने खातों को अनफ्रीज करने से किया था इनकार TMC ने 27 अगस्त को कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख कर पश्चिम बंगाल पुलिस की ओर से फ्रीज किए गए अपने चार बैंक

खातों को संचालित करने की अनुमति मांगी थी। पार्टी ने दलील दी थी कि खातों को फ्रीज करने के लिए दर्ज एफआईआर में प्रक्रियागत कमियां हैं। हालांकि, हाईकोर्ट ने खातों को अनफ्रीज करने से इनकार कर दिया था। इन चार खातों में करीब 804 करोड़ रुपए जमा होने की बात कही गई है। हाईकोर्ट का मानना ​​था कि खातों को पूरी तरह संचालित करने की अनुमति देने से उसके पिछले आदेश का असर कमजोर होगा, जिसमें झ्रुख को केवल रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने की छूट दी गई थी। पार्टी की ओर से पेश वकील मेनका गुरुस्वामी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 9 जुलाई के आदेश के तहत करीब 200 कर्मचारियों के वेतन और पार्टी के कुछ कार्यालयों का किराया दिया जा रहा है। मामले में प्रवर्तन निदेशालय भी मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रहा है। ED का आरोप है कि कोलकाता स्थित 'केयरवेल एक्विजेशन' के जरिए 160 करोड़ रुपए के पार्टी फंड की हराफेरी की गई। इसी जांच के तहत एग्जेंसी ने एचडीएफसी बैंक में झ्रुख के तीन खातों में मौजूद 440 करोड़ रुपए फ्रीज किए हैं।



सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि बैंक खातों को किस गुट को सौंपा जाना है, इस पर पहले चुनाव आयोग को फैसला करना चाहिए। झ्रुख में एक गुट ममता बनर्जी के नेतृत्व वाला है, जबकि दूसरा पश्चिम बंगाल विधानसभा

में विपक्ष के नेता ऋतुब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला बताया गया है। मामले में बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर क्राइम थाने की जांच रिपोर्ट भी अदालत के सामने रखी गई। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले झ्रुख गुट ने 7 जुलाई को पुलिस साइबर सेल द्वारा चार बैंक खाते फ्रीज किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया था। 18 जून को बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज की गई थी।

TMC के बैंक खाते विवाद में

- 4 बैंक खाते फ्रीज
- खातों में 804 करोड़ रुपए होने का दावा
- साइबर क्राइम शिकायत के बाद कार्रवाई
- ED कर रहा मनी लॉन्ड्रिंग की जांच
- 440 करोड़ रुपए के तीन खाते भी फ्रीज
- कलकत्ता हाईकोर्ट में मामला लंबित

पूर्व जिला जज की जल्द सुनवाई की मांग सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की, कहा- पद के आधार पर नहीं मिलेगी प्राथमिकता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलाहाबाद के पूर्व जिला जज राकेश कुमार नैन की जल्द सुनवाई की मांग खारिज कर दी। पूर्व जज ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में लंबित अपनी रिट याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केवल पद या पूर्व न्यायिक अधिकारी होने के आधार पर किसी व्यक्ति को न्यायिक प्रक्रिया में प्राथमिकता नहीं दी जा सकती। संविधान हर नागरिक को समान रूप से न्याय तक पहुंच का अधिकार देता है। जस्टिस जॉयमात्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने मामले की सुनवाई की। हालांकि, अदालत ने नैन को इलाहाबाद हाईकोर्ट के समक्ष ही अपनी लंबित याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग रखने की छूट दी। राकेश कुमार नैन अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाले विशेष जज थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट की फुल कोर्ट ने उन्हें न्यायिक कदाचार और भ्रष्टाचार के आरोपों में दोषी पाया था। इसके बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से न्यायिक सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था।

45 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नामों में गड़बड़ी का दावा, भाजपा नेताओं पर लगाए गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार गुरुवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग और मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिशों को लेकर सवाल उठाए। शिवकुमार ने मांग की कि कथित गड़बड़ियों की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। उन्होंने कहा कि जब तक फॉर्म-7 के दुरुपयोग में शामिल लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज नहीं होती, तब तक वह धरने से नहीं हटेंगे। इससे पहले मीडिया से बातचीत में शिवकुमार ने दावा किया कि SIR के दौरान 45 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नामों में गड़बड़ियां सामने आई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें भाजपा से जुड़े लोग शामिल हैं। शिवकुमार ने कहा कि फॉर्म-7 का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने के लिए किया जा रहा है और इस मामले में निर्वाचन आयोग को आपराधिक जांच शुरू करनी चाहिए। शिवकुमार ने आरोप लगाया कि विजयपुर, भालकी, बेलगावी, मैसूर, मुदिगरे और बेंगलुरु समेत कई विधानसभा क्षेत्रों में लोगों को पहले से भरे हुए फॉर्म-7 दिए गए। उनके मुताबिक इन फॉर्म में मतदाताओं के नाम, पते और ईपीआईसी नंबर पहले से दर्ज थे।

2 करोड़ के रिश्वतकांड में SOG के ASP मुकेश सोनी से पूछताछ, आईफोन का पासवर्ड नहीं बताया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उदयपुर। 2 करोड़ रुपए के रिश्वतकांड में घिरे स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के एएसपी मुकेश सोनी को लेकर जांच में रोज नए खुलासे सामने आ रहे हैं। एंटी कर्शन ब्यूरो के सूत्रों के अनुसार, मुकेश सोनी को एसीबी की कार्रवाई को लेकर पहले से शक था। इसी वजह से वह परिव्रादी पर नजर रख रहा था। एसीबी ने उसे फंसाने के लिए एक प्रशासनिक अधिकारी की मदद लेने की बात भी सामने आई है। ACB के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद से मुकेश सोनी पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहा है। जांच अधिकारी पिछले पांच दिनों से उसके आईफोन को अनलॉक करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन आरोपी ने मोबाइल का पासवर्ड बताने से इनकार कर दिया है। अधिकारियों को आशंका है कि आईफोन में मामले से जुड़े अहम सबूत हो सकते हैं। बुधवार को आरोपी एएसपी मुकेश सोनी और दलाल सज्जन सिंह को एसीबी कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने दोनों की रिमांड 3 अक्टूबर तक बढ़ा दी। एसीबी ने अदालत में दलील दी कि मामले की जांच अभी बाकी है और दोनों आरोपी पूछताछ में पूरी जानकारी नहीं दे रहे हैं। जमीन घोटाले में रिश्वत मांगने के आरोपी मुकेश सोनी ने पूछताछ के दौरान घूस मांगने से ही इनकार कर दिया था। एसीबी सूत्रों के मुताबिक, जब जांच एजेंसी ने उसे रिश्वत मांगने से संबंधित रिकॉर्डिंग सुनाई तो वह चुप हो गया। वहीं दलाल सज्जन सिंह ने पूछताछ में बताया कि उसने एएसपी मुकेश सोनी के कहने पर ही परिव्रादी से संपर्क किया था। अब जांच एजेंसी दोनों आरोपियों से मामले से जुड़े अन्य पहलुओं का लेकर पूछताछ कर रही है। जांच के दौरान एसीबी ने परिव्रादी के घर से डिजिटल वीडियो रिकॉर्ड (डीवीआर) जब्त करने को लेकर भी सवाल किए। साथ ही परिव्रादी से तीन खाली चेक पर हस्ताक्षर क्यों करवाए गए, इस बारे में भी स्पष्ट जवाब मांगा गया। एएसपी से यह भी पूछा गया कि रिश्वत की रकम किन-किन लोगों के बीच बांटी जानी थी। इस सवालों पर भी स्पष्ट जवाब नहीं मिलने की बात एसीबी सूत्रों ने कही है।

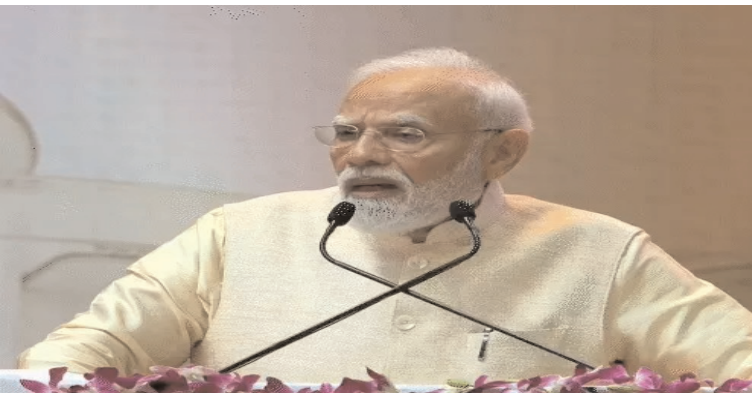
UPSC के 100 साल मोदी बोले-ये गवर्नेंस तय करता है: संस्था के पहले अध्यक्ष अंग्रेज थे, 2 बार नाम बदला, हर साल 250 परीक्षाएं कराता है विकसित भारत के लिए ‘नेशन फर्स्ट, सिटिजंस फर्स्ट’ जरूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संघ लोक सेवा आयोग के 100 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि विकसित भारत के लिए जिस तरह की गवर्नेंस की जरूरत है, उसे सुनिश्चित करने में PSC की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि आयोग के माध्यम से सरकारी सेवाओं में भर्ती होने वाले युवाओं के लिए दो प्रमुख कसौटियां होनी चाहिए—पहली ‘नेशन फर्स्ट’ और दूसरी ‘सिटिजंस फर्स्ट’। प्रधानमंत्री भारत मंडपम में आयोजित PSC के शताब्दी समारोह में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आयोग के 100 ऐतिहासिक फैसलों पर आधारित एक किताब का लोकार्पण किया। इसके साथ ही शताब्दी स्मारक सिक्का और विशेष डाक टिकट भी जारी किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने फ्लाई दुबई की एक उड़ान को दुर्घटना से बचाने वाले भारतीय पायलट स्मित मच्छर का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय पायलट ने 9/11 होने से बचा लिया। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने गुरुवार को स्मित मच्छर के माता-पिता से भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया उन पर गर्व कर रही है।

करीब 250 भर्ती परीक्षाएं कराता है वक्स्ट

देश में विभिन्न केंद्रीय सेवाओं और पदों पर भर्ती



के लिए हर साल करीब 250 परीक्षाओं का आयोजन करता है। इनमें इंजीनियरिंग, मेडिकल और रक्षा क्षेत्र से जुड़ी भर्ती परीक्षाएं भी शामिल हैं। आयोग देश की प्रशासनिक व्यवस्था के लिए विभिन्न सेवाओं में अधिकारियों के चयन की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

1926 में हुई थी शुरुआत

UPSC के इतिहास की शुरुआत 1926 में हुई थी। आयोग के पहले अध्यक्ष सर रॉस बार्कर थे, जिन्होंने 1926 से 1932 तक यह जिम्मेदारी संभाली। अपने 100 साल के इतिहास में आयोग का नाम दो बार बदला जा चुका है। शताब्दी समारोह के दौरान आयोग के इतिहास और उसके

महत्वपूर्ण फैसलों को सामने रखा गया। प्रधानमंत्री ने ऐतिहासिक फैसलों पर आधारित किताब के UPSC के 100 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत के लिए जरूरी गवर्नेंस का माध्यम UPSC है। उन्होंने सरकारी सेवाओं में आने वाले युवाओं के लिए ‘नेशन फर्स्ट’ और ‘सिटिजंस फर्स्ट’ को प्रमुख कसौटी बताया। समारोह में आयोग के ऐतिहासिक फैसलों पर आधारित किताब, शताब्दी स्मारक सिक्का और विशेष डाक टिकट जारी किए गए

साथ स्मारक सिक्का और विशेष डाक टिकट जारी कर PSC की 100 वर्षों की यात्रा को रेखांकित किया

‘रामजी ऐसे फाइट नहीं करते थे’: मुकेश खन्ना ने रणबीर कपूर की ‘रामायण’ पर उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता मुकेश खन्ना ने रणबीर कपूर की आगामी फिल्म ‘रामायण’ में भगवान राम के चित्रण को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने फिल्म में बड़े पैमाने पर VFX और एक्शन दिखाए जाने पर आपत्ति जताई। मुकेश खन्ना का कहना है कि भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में दिखाने के बजाय फिल्म में उन्हें एक्शन हीरो की तरह प्रस्तुत किया गया है। ‘बॉलीवुड नाउ’ को दिए इंटरव्यू में मुकेश खन्ना ने कहा, ‘राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। मुस्कुराते थे। शी राम को सलमान खान, अमिताभ बच्चन बना दिया, रजनीकांत बना दिया।’ उन्होंने फिल्म के उस दृश्य पर भी ख़ास तौर पर सवाल उठाया, जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में पेड़ पर चढ़कर तीर चलाते नजर आते हैं। मुकेश खन्ना ने कहा कि उन्होंने रामायण के जिन संस्करणों को पढ़ा या देखा है, उनमें भगवान राम को इस तरह नहीं दिखाया गया। उन्होंने कहा, ‘रामजी ऐसे फाइट नहीं करते थे।’ उनका कहना था कि किरदार को ‘मैन ऑफ एक्शन’ बना दिया गया है।

VFX को लेकर भी जताई आपत्ति

मुकेश खन्ना ने फिल्म में बड़े स्तर पर किए गए विजुअल इफेक्ट्स यानी VFX के इस्तेमाल को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दर्शक इसे बड़े स्तर की फेंटेसी फिल्म के तौर पर देख सकते हैं, लेकिन भारतीय दर्शक भगवान राम के चित्रण को धार्मिक और सांस्कृतिक नजरिए से देखेंगे। उन्होंने कहा, ‘लेकिन भारत में अगर आप राम दिखा रहे हों, तो आस्था से दिखाओ।’

इससे पहले फिल्ममेकर और 1987 की चर्चित टीवी सीरीज ‘रामायण’ बनाने वाले रामानंद सागर के पोते शिव सागर ने भी रणबीर



कपूर की कास्टिंग को लेकर अपनी राय रखी थी। उन्होंने कहा था कि ‘एनिमल’ में रणबीर का किरदार देखने के बाद उनके लिए उन्हें भगवान राम के रूप में स्वीकार करना मुश्किल है। शिव सागर के मुताबिक, भगवान राम जैसे किरदार के लिए किसी नए चेहरे को चुना जाना चाहिए था। उनका कहना था कि नए चेहरे के साथ दर्शकों की पहले से कोई इमेज जुड़ी नहीं होती। हालांकि, शिव सागर ने यह भी स्पष्ट किया था कि उन्हें रणबीर कपूर की एक्टिंग से कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने रणबीर को अच्छे अभिनेता बताया था। साथ ही उन्होंने फिल्म की बाकी कास्टिंग, खासकर यश और साई पल्लवी की भी तारीफ की थी।

‘रामजी ऐसे फाइट नहीं करते थे’

मुकेश खन्ना ने ‘रामायण’ में भगवान राम के एक्शन और VFX वाले चित्रण पर आपत्ति जताई। बोले- भारत में राम को आस्था के साथ दिखाया जाना चाहिए। इससे पहले शिव सागर भी रणबीर की कास्टिंग पर अपनी राय रख चुके हैं।

कॉकपिट में चाकूबाजी के बाद हाईजैक की कोशिश! 1 मिनट में 17 हजार फीट नीचे आया विमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दुबई। तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की एक फ्लाइट बुधवार सुबह हाईजैक और क्राश की कोशिश के चलते खतरनाक स्थिति में पहुंच गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक कॉकपिट में ओमानि पायलट ने भारतीय पायलट स्मित मच्छर पर चाकू से हमला किया और इसके बाद विमान का कंट्रोल अपने हाथ में लेने की कोशिश की। दूसरे पायलट और कुछ यात्रियों ने हाथापाई कर उसे रोक लिया। रिपोर्ट के मुताबिक घटना सुबह करीब 9 बजे हुई। झड़प के दौरान विमान महज एक मिनट में करीब 17 हजार फीट नीचे आ गया। इसके बाद विमान से पहले इमरजेंसी और फिर हाईजैक का अलर्ट भेजा गया। स्थिति को देखते हुए इजराइल ने फाइटर जेट्स रवाना किए। उनकी निगरानी में फ्लाइट का रास्ता बदला गया और विमान की सऊदी अरब के तबुक एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में करीब 180 लोग सवार थे, जिनमें लगभग 150 इजराइली नागरिक बताए गए। विमान ने सबसे पहले 7700 कोड भेजा। एक्विजेशन में यह कोड विमान में किसी गंभीर आपात स्थिति का संकेत देता है। इसके कुछ ही सेकंड बाद 7500 कोड भेजा गया, जो विमान में हाईजैक की स्थिति का संकेत होता है।



सोने-चांदी के भाव में फिर तेजी, सोना 1.49 लाख और चांदी 2.22 लाख पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। सोने-चांदी की कीमतों में 1 अक्टूबर को तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 799 बढ़कर 1.49 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 30 सितंबर को सोना 1.48 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम था। वहीं, चांदी की कीमत में भी बढ़ोतरी हुई है। एक किलो चांदी 1,519 महंगा होकर 2.22 लाख रुपए पर पहुंच गई। बुधवार को चांदी का भाव भी करीब 2.22 लाख रुपए प्रति किलो था। 2026 में सोने-चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने का भाव 1.33 लाख रुपए था, जो अब बढ़कर 1.49 लाख रुपए हो गया है। यानी इस साल अब तक सोना 15,488 महंगा हो चुका है। दूसरी ओर, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए प्रति किलो थी, जो अब 2.22 लाख रुपए पर आ गई है। इस तरह साल के दौरान चांदी 8,466 सस्ती हुई है। इसी दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। एक शहर से दूसरे शहर सोना पहुंचाने में परिवहन और सुरक्षा का खर्च जुड़ता है। दूरी बढ़ने के साथ ईंधन और सुरक्षा पर होने वाला खर्च भी कीमत को प्रभावित कर सकता है। दक्षिण भारत में सोने की खपत करीब 40‘ बताई जाती है। यहां ज्वेलर्स बड़ी मात्रा में खरीदारी करते हैं, हालांकि इसका छूट पर सीमित असर पड़ता है। इसके अलावा राज्य और शहरों के स्थानीय ज्वेलरी एसोसिएशन भी मांग और आपूर्ति के आधार पर स्थानीय दरों को प्रभावित कर सकते हैं। ज्वेलर्स के पास मौजूद पुराने स्टॉक और उसकी खरीद कीमत भी ग्राहकों को दिए जाने वाले भाव को प्रभावित करती है। इसलिए अलग-अलग शहरों या दुकानों पर सोने की कीमत में अंतर देखने को मिल सकता है।



सर्वा फोम इंडस्ट्रीज का आईपीओ लाने की तैयारी, सेबी के पास दाखिल किया DRHP

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी रीबॉन्डेड पॉलीयूरेथेन फोम मैनुफैक्चरर और एक्सपोर्टर कंपनी सर्वा फोम इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) लाने की तैयारी शुरू कर दी है। कंपनी ने आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ में 5 रुपए फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयर शामिल होंगे। प्रस्तावित इश्यू में 54 लाख इक्विटी शेयरों का प्रेश इश्यू और प्रमोटर कुणाल ज्ञानी के 13.50 लाख इक्विटी शेयरों का ऑफर-फॉर-सेल (ओफरफरए) शामिल है। कंपनी बुक-रैनिंग लीड मैनेजर के साथ चर्चा के बाद रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) दाखिल करने से पहले प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर भी विचार कर सकती है। यदि प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पूरा होता है, तो उससे जुटाई गई राशि को प्रेश इश्यू के आकार से घटा दिया जाएगा। कंपनी प्रेश इश्यू के जरिए जुटाए जाने वाले 90 करोड़ के फंड का इस्तेमाल रीबॉन्डेड पॉलीयूरेथेन फोम उत्पादों के लिए नया मैनुफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने और अपनी पूंजीगत व्यय संबंधी जरूरतों को पूरा करने में करेगी। इससे कंपनी की उत्पादन क्षमता और विनिर्माण से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए निवेश किया जाएगा। प्रस्तावित आईपीओ से जुटाई जाने वाली राशि में से 730 करोड़ का इस्तेमाल कंपनी द्वारा लिए गए कुछ कर्ज को आंशिक या पूरी तरह चुकाने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा इस राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों के लिए भी किया जाएगा।



कॉकपिट में पायलट ने भारतीय कप्तान पर चाकू से किया हमला, विमान तेजी से नीचे जाने लगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जानकारी हासिल की थी। घटना के बाद हायून खून से सने कपड़ों में ही इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मिलने पहुंचा। प्रधानमंत्री ने उसके साहस की तारीफ करते हुए उसे हीरो बताया। हायून ने इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को बताया कि उसके अचानक कॉकपिट के अंदर से चीखने की आवाज सुनाई दी। वह एक अन्य यात्री के साथ कॉकपिट की ओर पहुंचा। वहां उसने भारतीय कप्तान स्मित मच्छर को घायल हालत में जमीन पर पड़ा देखा, जबकि हमलावर पायलट विमान उड़ा रहा था। हायून के मुताबिक, गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित मच्छर ने कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया था। इसके बाद बाहर मौजूद यात्री अंदर पहुंचे और स्थिति को संभालने की कोशिश की। हायून ने हमलावर पायलट को पकड़कर कंट्रोल पैनल से दूर खींच लिया और उसे कॉकपिट से बाहर किया। इसके बाद उसने दूसरे यात्रियों को मदद के लिए बुलाया। तीन यात्रियों ने मिलकर हमलावर पायलट को काबू किया और हेडफोन की तार से उसके हाथ बांध दिए। इस पूरी घटना के दौरान विमान में मौजूद यात्रियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एक ओर भारतीय कप्तान घायल हालत में थे, तो दूसरी ओर हमलावर पायलट को काबू करने के साथ विमान को सुरक्षित संभालना बड़ी चुनौती बन गया था। ऐसे समय में यात्री यानिव हायून ने आगे बढ़कर स्थिति को संभालने में मदद की। उसके कपड़ों पर खून लगा हुआ था।



कॉकपिट में चाकूबाजी, यात्री ने संभाला विमान

कॉकपिट में पायलट पर हमले के बाद फ्लाईदुबई की उड़ान तेजी से नीचे जाने लगी। भारतीय कप्तान स्मित मच्छर घायल होने के बावजूद कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे। इसके बाद यात्री यांत्रिक हायून ने हमलावर पायलट को कंट्रोल पैनल से दूर किया और तीन यात्रियों के साथ मिलकर उसे हेडफोन की तार से बांध दिया।